30
अगस्त, 2026
रविवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 150

RNI No. DELMUL/2012/47011

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com
Email : timesofpedia@gmail.com

दो साल और टीम के साथ रहना चाहते थे सूर्यकुमार 07

संक्षिप्त वार्ता

भागवत ने न्यूयॉर्क में इस्कॉन मंदिर का किया दौरा

न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में दुनिया के पहले इस्कॉन सेंटर का दौरा किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं को संबोधित कर उन्होंने कहा कि आज विश्व में कई तरह के संघर्ष व्याप्त हैं और इसतरह समय में कृष्ण चेतना ही शांति का मार्ग प्रशस्त करती है। संघ प्रमुख भागवत ने जोर दिया कि भले ही दुनिया में विविधताएं, मतभेद और संघर्ष हों, लेकिन अगर लोग समझ जाएं कि सब कुछ कृष्ण का ही अंश है, तब एक बेहतर और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण संभव है।

उन्होंने 26 सेकंड एवेन्यू स्थित ऐतिहासिक स्थान का दौरा किया, जहाँ स्वामी प्रभुपाद ने जुलाई 1966 में इस्कॉन की स्थापना की थी। इस्कॉन इस साल अपनी 60वीं वर्षगांठ मना रहा है और इसके 120 देशों में 1,300 मंदिर हैं। भागवत के अमेरिका दौरे से पहले, अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर अमेरिकी सरकार से आरएसएस नेताओं के साथ उच्च-स्तरीय राजनयिक मुलाकातें न करने की अपील की थी। हालांकि, भारत ने यूएससीआईआरएफ की इन टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई।

एमपी पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल

भोपाल। सरकार ने अंशुमन यादव को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) गुप्तवार्ता बनाया है। उनके पास एडीजी साइबर का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। अभी वह संचालक खेल एवं युवा कल्याण हैं। उनकी जगह एडीजी विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) चंचल शेखर को संचालक खेल एवं युवा कल्याण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बता दें कि वर्तमान एडीजी इंटेलिजेंस ए साई मनोहर 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनकी जगह अंशुमन यादव को पदस्थ किया गया है। शासन ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। यादव इसके पहले सीआरपीएफ दिल्ली में आइजी रहे हैं। उन्होंने एसपीजी और ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एवं डेवलपमेंट (बीपीआरएंडडी) में सेवाएं दी हैं।

जबलपुर के रादुवि की एक दशक पुरानी भर्ती निरस्ती का आदेश निरस्त

जबलपुर। हाई कोर्ट ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2014 में शुरू की गई तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती प्रक्रिया को निरस्त करने के आदेश को रद कर चयनित अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। रादुवि ने तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती के लिए 27 जून तथा 18 सितंबर 2014 को विज्ञापन जारी किए थे।

अभ्यर्थियों ने लिखित परीक्षा में भाग लिया और परिणाम घोषित होने के बाद चयनित भी हुए। इसके बावजूद विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने 24 अगस्त 2016 को अचानक पूरी भर्ती प्रक्रिया निरस्त कर दी थी। इस निर्णय को प्रभावित अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल शिकायतें प्राप्त होना अथवा आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) से जानकारी मांगा जाना, अपने आप में पूरी चयन प्रक्रिया को दूषित साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। विश्वविद्यालय ऐसा कोई ठोस रिकार्ड या प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका, जिससे सामूहिक रूप से पूरी भर्ती प्रक्रिया रद करने का निर्णय उचित ठहराया जा सके।

नेपाल में अब तक 600 लोगों की मौत, एक और झील फूटने का मंडरा रहा खतरा

2400 से ज्यादा लोग लापता, रेस्क्यू टीमें मलबे में तलाश रही जिंदगियां

नेपाल और चीन में आई भीषण बाढ़ में अब तक 600 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 2400 से ज्यादा लोग लापता हैं। हिमालयी इलाकों में रेस्क्यू टीमें मलबे में जिंदगी तलाश रही हैं, लेकिन उनके सामने खतरा खड़ा है।

वेब वार्ता, काठमांडु

पहाड़ों के बीच मलबे से बनी अस्थिर झीलों में पानी बढ़ रहा है, जिससे किसी भी वक्त दोबारा सैलाब आने की आशंका बनी हुई है। नेपाल में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं।

अधिकारियों के मुताबिक देश के आठ जिलों में 579 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं चीन के तिब्बत में सात लोगों की मौत की सूचना है। नेपाल में लापता लोगों की संख्या बढ़कर 1924 हो गई है, जबकि तिब्बत के जिरोंग काउंटी में 554 लोग लापता हैं। लापता लोगों में बड़ी संख्या विदेशी नागरिकों की है। रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 540 विदेशी अब भी लापता हैं। इनमें कई लोग कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर निकले तीर्थयात्री हैं। भारत के लिए भी यह आपदा बड़ी चिंता बन गई है।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक अब तक 84 भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। इनमें तमिलनाडु के 21 लोग और त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में काम करने वाले 63 कर्मचारी शामिल हैं। 149 भारतीय चीन से सुरक्षित नेपाल पहुंच गए हैं, जबकि करीब 400 भारतीय अभी चीन में सुरक्षित हैं और भारतीय दूतावास उनकी वापसी में मदद कर रहा है। इसके बावजूद करीब 320 भारतीयों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। बाढ़ के कारण टेलीकम्युनिकेशन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक तबाही की शुरूआत ग्लेशियर के टूटने से हुई। बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल ढेर अचानक नीचे आया और हिमालय की नदियों में भारी मात्रा में पानी और मलबा पहुंच गया। इस तेज बहाव ने रास्ते में आने वाली सड़कें, पुल और दूसरी संरचनाएं तबाह कर दीं। कई जगह पूरे इलाके मोटी मिट्टी और मलबे के नीचे दब गए, लेकिन खतरा अभी खत्म नहीं हुआ है। बाढ़ के बाद मलबे ने कई जगह नदियों का रास्ता रोक दिया, जिससे बैरियर लेक यानी मलबे से बनी झीलें तैयार हो गईं। इनमें पानी लगातार जमा हो रहा है।

चीनी विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस क्षेत्र में 100 से ज्यादा ग्लेशियल झीलें जोखिम पैदा कर सकती हैं। अगर इनमें से किसी झील की प्राकृतिक दीवार टूटती है, तो अचानक बड़ी मात्रा में पानी नीचे आ सकता है। यही वजह है कि बचाव अभियान चलाने वाली टीमों को एक साथ दो काम करने पड़ रहे हैं। उन्हें लापता लोगों की तलाश भी करनी है और ऊपर पहाड़ों से आने वाले नए खतरे पर भी नजर रखनी है। चीन के भीतर इन तस्वीरों और बाढ़ से जुड़ी जानकारी की काफी सीमित होने का दावा किया जा रहा है।

सरकारी मीडिया पर भी तबाही की विस्तृत तस्वीरों के बजाय सीमित विजुअल दिखाए जाने की बात सामने आई है। चीन में इंटरनेट पर कड़ी सेंसरशिप होने के कारण इस आपदा से जुड़े कई वीडियो और पोस्ट आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि चीन में राहत और बचाव अभियान नहीं चल रहा. सैकड़ों आपातकर्मी अभियान में जुटे हैं और राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी ग्लेशियल झीलों और भूस्खलन के खतरे की निगरानी मजबूत करने का निर्देश दिया है।

साफ रास्ता नहीं आ रहा नजर

बता दें शुक्रवार को ऐसी ही एक झील के ओवरफ्लो होने से रेस्क्यू अभियान कुछ समय के लिए प्रभावित हो गया था। नेपाल पुलिस को तिब्बत की तरफ बांध टूटने की सूचना मिली, जिसके बाद बचावकर्मियों को तुरंत सुरक्षित जगह जाने को कहा गया। चीन में भी जिरोंग इलाके में बचाव अभियान कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। बाद में हालात स्थिर होने पर ऑपरेशन फिर शुरू किया गया। नेपाल फिलहाल ऊपर की तरफ बनी दो बैरियर झीलों पर नजर रख रहा है। वैज्ञानिकों की चिंता इसलिए बढ़ गई है क्योंकि सैटेलाइट तस्वीरों में एक झील का आकार बढ़ता दिखाई दे रहा है और उसका पानी बाहर निकलने का कोई साफ रास्ता नजर नहीं आ रहा।

सतना और चित्रकूट में आफत की बारिश

रामघाट का 300 मीटर लंबा पुल बहा

वेब वार्ता, चित्रकूट/सतना। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। नदियां और नाले उफान पर हैं और कई इलाकों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। चित्रकूट में स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। मंदाकिनी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद रामघाट समेत आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। वहीं गोरगी बांध के टूटने की सूचना के बाद प्रशासन और राहत-बचाव दलों की सक्रियता बढ़ गई है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के जलस्तर में अचानक तेज बढ़ोतरी से रामघाट क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए। नदी करीब 30 फीट उफान पर होने की बात सामने आ रही है। पानी तेजी से निचले इलाकों में पहुंचा, जिससे घाट और आसपास के क्षेत्र प्रभावित हुए रामघाट का करीब 300 मीटर लंबा पुल बाढ़ के तेज बहाव की चपेट में आने से बहने की सूचना है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से आवागमन प्रभावित हुआ है और दोनों ओर से आने-जाने वाले लोगों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है।

बांध फूटने से कई इलाकों में पानी भरा

प्रदेश में लगातार बारिश से सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्रकूट में 14 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश से भीषण बाढ़ के हालात हैं। गोरगी बांध फूटने के बाद कई इलाकों में पानी भर गया है। सतना-चित्रकूट मार्ग 3 जगह से बंद है। रामघाट और भरतघाट पूरी तरह जलमग्न हैं। घाट किनारे करीब 400 दुकानें डूब चुकी हैं। बाढ़ का पानी नयागांव राजमहल के अंदर तक पहुंच गया है। लोग घरों और होटलों में फंसे हैं। एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। सतना के मझगवां में रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया है। आनंद विहार से रीवा जाने वाली पैसेंजर ट्रेन कई घंटों से खड़ी है। इसके साथ ही, सडक, थाना और पेट्रोल पंप तक पानी पहुंच गया है। कई मार्ग बंद हैं। बिजली के पोल-ट्रांसफॉर्मर प्रभावित हुए हैं। सती अनसुइया में पानी रेलिंग तक पहुंच गया है। सडकों पर नाव चलाने की नौबत आ गई है। नागौद में थाने और पेट्रोल पंप में पानी घुस गया। कोठी में मकान गिरने से 4 भैंस दब गईं, जिनमें 2 की मौत हो गई। पन्ना में गांव टापू बन गए हैं। बानसुजारा बांध के 8 गेट खोलकर धसान नदी में 792 घन मीटर प्रति सेकंड पानी छोड़ा जा रहा है।

मंदाकिनी का 300 मीटर लंबा पुल बाढ़ में बहा

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी पर बना करीब 25 फीट ऊंचा और 300 मीटर लंबा बड़ा पुल तेज बहाव में बह गया। यह पुल पर्यटन बंगले के सामने बना था। नयागांव को हनुमानधारा से जोड़ता था। मंदाकिनी नदी में बाढ़ के कारण पुल पर पानी का दबाव लगातार बढ़ रहा था। तेज बहाव में पुल के बह जाने से दोनों इलाकों के बीच आवागमन प्रभावित हो गया है। चित्रकूट के नयागांव स्थित बड़े पुल की रेलिंग बाढ़ के तेज बहाव के कारण टूट गई है। पुल पर पानी का दबाव बढ़ने से आसपास के इलाकों में भी खतरा बना हुआ है।

आम आदमी पर महंगाई की चौतरफा मार!

गुड़-दूध से लेकर सीएनजी तक के बढ़े दाम

वेब वार्ता, नई दिल्ली। महंगाई ने एक बार फिर आम आदमी की जेब पर दबाव बढ़ा दिया है। पिछले कुछ दिनों में रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी कई चीजों के दाम बढ़ने से घर का बजट बिगड़ने लगा है। सीएनजी से लेकर दूध, प्याज और गुड़ तक महंगे होने का असर सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ सकता है। खास बात यह है कि इनमें कुछ चीजें ऐसी हैं, जिनका इस्तेमाल लगभग हर घर में रोज होता है। हालांकि, सरकार के प्रयासों से चीनी कीमतों ने नरमी आने लगी है। कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के बाद अब इसकी एक्स-मिल कीमत, यानी चीनी मिल से निकलते समय की कीमत में करीब 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर ष्टहत्र महंगी हो गई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने सीएनजी की कीमत में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। नई कीमतें शनिवार सुबह 6 बजे से लागू हो गई हैं। इस बढ़ोतरी का सीधा असर दिल्ली और आसपास के एनसीआर शहरों में सीएनजी वाहनों का इस्तेमाल करने वाले लोगों की जेब पर पड़ेगा। खासतौर पर रोजाना कार से सफर करने वाले लोगों का खर्च बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, स्कूल बस, ऑटो, कैब और लोडिंग वाहनों के किराये में भी बढ़ोतरी हो सकती है। खास बात ये है कि ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से 6 महीने में 5वीं बार सीएनजी के कीमत में बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले मई में 4 बार कीमतें बढ़ीं थीं।

9 रुपये महंगा हुआ दूध

महाराष्ट्र में 1 सितंबर से दूध की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी होने जा रही है। राज्य में दूध के दाम 9 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाए जाएंगे। इससे पहले 11 अगस्त 2026 से दूध प्रोड्यूसर और प्रोसेसर्स की वेलफेयर एसोसिएशन ने गाय और भैंस के दूध की कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। उस समय दही और पनीर जैसे रोजमर्रा के डेयरी प्रोडक्ट्स भी करीब 10 फीसदी तक महंगे हो गए थे। इससे पहले मई में अमूल और मदर डेयरी ने भी दूध के दाम में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद देश के कई हिस्सों में बड़े राष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ-साथ स्थानीय और सहकारी डेयरियों ने भी दूध के दाम बढ़ाए हैं।

100 तक पहुंचे गुड़ के दाम

पंजाब और हरियाणा में मानसून के दौरान पसंद किए जाने वाले गुड़ की कीमतों में भी तेजी आई है। पिछले एक महीने में गुड़ की अलग-अलग किस्मों के दाम में 25 से 50 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई है। मुंबई में गुड़ का थोक भाव करीब 80 से 100 रुपये प्रति किलो दर्ज किया गया। बाजार में अलग-अलग गुणवत्ता का गुड़ मिलता है, इसलिए इसकी कीमत क्वालिटी के हिसाब से बदलती है। खुदरा बाजार में ग्राहकों को इसके लिए इससे ज्यादा कीमत भी चुकानी पड़ सकती है। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख गुड़ उत्पादक राज्यों में भी पिछले दो हफ्तों में कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ जगहों पर गुड़ के दाम करीब 25 फीसदी तक बढ़ चुके हैं।

मराठा आरक्षण पर सियासत तेज

छत्रपति संभाजीनगर। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शनिवार को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से पहले से चिन्हित 58 लाख कुनबी रिकॉर्ड के आधार पर मराठा समुदाय के लोगों को तुरंत जाति प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि समुदाय सरकार को इस मामले में अब और समय नहीं देगा। जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में पत्रकारों से बातचीत में जरांगे ने कहा कि यह उनका अंतिम आंदोलन होगा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई वंदे भारत एक्सप्रेस, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

हजारीबाग। हजारीबाग में देर रात चरही और बेस रेलवे स्टेशन के बीच रांची से पटना जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस दुर्घटना की शिकार हो गई। पटरी पर अचानक आई एक लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से ट्रेन टकरा गई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से बाल-बाल बच गया।

जानकारी के मुताबिक हादसा इतना जोरदार था कि टक्कर के बाद ट्रेन को थोड़ा नुकसान हुआ। घटना के तुरंत बाद ट्रेन पायलट ने मुस्तैदी दिखाते हुए गाड़ी को रोक दिया। इसके बाद वंदे भारत एक्सप्रेस करीब 41 मिनट तक दुर्घटनास्थल पर ही खड़ी रही। घटना की जानकारी तुरंत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को दी गई। ट्रेन रुकने के बाद तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रेन की जांच की। सुरक्षा मानकों को पूरा करने और रूट क्लियर होने के बाद ट्रेन को पटना के लिए रवाना किया गया। हादसे के कारण ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। हालांकि किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना ने रेलवे ट्रैक की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इतने अहम और संवेदनशील रूट पर लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली पटरी तक कैसे पहुंची, यह एक चिंता का विषय है।

ओडिशा के 67 हजार लोग हुए बाढ़ से प्रभावित, यूपी के 47 जिलों में बारिश का अलर्ट

बिहार में गंगा-गंडक खतरे के निशान से ऊपर, हिमाचल में सड़कें बंद

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मानसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है। उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश के 47 जिलों में आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं ओडिशा के तीन जिलों में 67 हजार से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित बताए गए हैं। मौसम विभाग ने राज्य के उत्तरी और तटीय इलाकों में 2 सितंबर तक भारी बारिश का पूवार्नुमान जताया है। इससे बाढ़ की स्थिति और बिगड़ने की आशंका है।

बिहार में गंगा और गंडक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। राज्य में 50 हजार से ज्यादा घर बाढ़ के पानी से प्रभावित हुए हैं। उधर, हिमाचल प्रदेश में बारिश और भूस्खलन के कारण 67 सड़कें बंद हैं। राजस्थान में मानसून के बाद शुक्रवार को पहली बार ऐसा दिन रहा, जब राज्य में कहीं बारिश दर्ज नहीं हुई। इसके चलते अलवर समेत 15 शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया।

झांसी में बाढ़ जैसे हालात

उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं और 16 जिले बाढ़ की चपेट में बताए जा रहे हैं। झांसी के टोडी फतेहपुर में भारी बारिश के बाद पथराई नदी अचानक उफान पर आ गई। नदी का पानी बस स्टैंड तक पहुंच गया है। इलाके में घरों और दुकानों में 7 से 8 फीट तक पानी भर गया है। कई परिवारों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है, जबकि कुछ लोग छतों पर रहने को मजबूर हैं। लगातार बारिश के कारण प्रशासन की ओर से हालात पर नजर रखी जा रही है।

पंजाब में पांच जिलों में बारिश की संभावना

पंजाब और चंडीगढ़ में मानसून कमजोर पड़ गया है। दिन के समय गर्मी और उमस बढ़ने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 3 सितंबर तक राज्य में भारी बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। हालांकि, पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, नवांशहर और रूपनगर में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

उत्तराखंड के सभी जिलों में बारिश

उत्तराखंड में देर रात से कई इलाकों में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारों की संभावना जताई है। वहीं रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, चमोली, नैनीताल और बागेश्वर में कहीं-कहीं भारी बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश के चलते भूस्खलन और सड़क बाधित होने की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

संपादकीय

पर्यटन की अधूरी तलाश

पर्यटकों की आमद का एक नक्शा विधानसभा सत्र में उभरा है। पिछले तीन साल में हिमाचल में 7.59 पर्यटक आए जबकि इस दौरान 262824 विदेशी सैलानी भी यहां आए। आंकड़ों की दृष्टि से आबादी से दोगुना पर्यटक आकर्षित करके हिमाचल अपनी संभावनाओं और क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन क्वालिटी टूरिज्म के नजरिये से अभी व्याख्या होनी बाकी है। हिमाचल की खूबी यह है कि यहां पर्यटन आगमन के कई कारण हैं, फिर भी हम मार्केटिंग में पीछे हैं। कुछ ऐसे सर्किट हैं जिन्हें हिमाचल ने अहमियत ही नहीं दी। सभी मौसम और सभी कारणों के पर्यटन का संतुलन बहुत जरूरी है ताकि हम हाई एंड टूरिज्म को आमंत्रित कर सकें। बेशक पिछले तीन सालों में दो लाख 65 हजार के करीब विदेशी पर्यटक हिमाचल आए, लेकिन इनके द्वारा खर्च की गई राशि अति उत्तम नहीं। प्रायः बजट टूरिस्ट ही हिमाचल आ रहे हैं। कसोल और धर्मकोट में आ रहे विदेशी पर्यटक कई बार भारतीय सैलानियों से भी कम खचीर्ले होते हैं। दूसरी ओर पर्यटकों की बढ़ती तादाद में मंदिरों के दर्शन की रूटीन ही नजर आती है। तीसरे सप्ताहांत पर्यटन की मंजिलें केवल कुछ स्थलों पर ही रहती हैं। चौथे युवा पर्यटकों का आगमन सीमित गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में पूरे हिमाचल का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। ऐसे में हिमाचल में पर्यटन की तलाश अधूरी है। यह आंकड़ों की जुबान से भले ही अच्छी लगे, लेकिन गुणवत्ता के आधार पर हिमाचल के संदर्भ अभी खाली हैं। हिमाचल की खोज जिस दिन हाई एंड टूरिस्ट करेगा, उस दिन पर्यटन की आर्थिक भागीदारी बढ़ जाएगी। दूसरी ओर सप्ताहांत पर्यटन के साथ-साथ पूरे हफ्ते या इससे ज्यादा विश्राम का पर्यटन फैले, तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

हिमाचल में हाई एंड पर्यटन की जरूरतें अभी समझी ही नहीं गईं। ट्राइबल, सांस्कृतिक एवं धरोहर पर्यटन को महत्त्व मिले, तो विविध आकर्षणों की तरफ विदेशी दौड़े आएंगे। शिमला के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्त्व को देखते हुए सबसे अधिक विदेशी पर्यटक आते हैं, जबकि धर्मशाला, डलहौजी, मकलोडगंज, मनाली व कसौली में विदेशी बजट टूरिस्ट ही आ रहे हैं। हिमाचल में अधिक स्टे के लिहाज से युवा पर्यटक या यूं कहें कि कारपोरेट जगत से जुड़े युवा आ रहे हैं। इनकी जरूरतें हालांकि सीमित हैं, फिर भी इस श्रेणी के पर्यटक ज्यादा दिनों के लिए बार-बार हिमाचल आ रहे हैं। हिमाचल में देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए साहसिक व खेल पर्यटन भी सौगात बन रहा है। अकेले धर्मशाला में ही आईपीएल तथा अन्य क्रिकेट मैचों के जरिए हर साल दो लाख के करीब देशी-विदेशी पर्यटक पहुंच रहे हैं। हाई एंड पर्यटक की तलाश में हिमाचली अधोसंरचना में तेजी से बदलाव आ रहा है, लेकिन महापर्यटन की दृष्टि से कई प्रयास करने होंगे। महामहिम दलाई लामा की उपस्थिति से लाभ उठाते अगर काल चक्र आयोजन के लिए स्थायी सुविधाएं कहीं धर्मशाला-मनाली के बीच विकसित की जाएं, तो यह राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यटन की नई मंजिल हो सकता है। पौंग तथा अन्य कृत्रिम झीलों में साहसिक खेलों तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार हो, तो यह पर्यटन के वार्षिक मेलों का प्रसार करेगा। मंदिरों की आय से धार्मिक पर्यटन की रूपरेखा में गुणवत्ता, धार्मिक-सांस्कृतिक एहसास में बढ़ोतरी की जाए, तो हाई एंड पर्यटन बढ़ेगा। हिमाचल में फोरलेन मार्गों के विकास के साथ हाई एंड पर्यटन को महत्त्व मिले, तो कई नए डेस्टिनेशन उभर सकते हैं। हिमाचल में पर्यटन विकास को होटलों से अलग मनोरंजन पार्कों, साइंस सिटी, प्राकृतिक नजारों और जल संसाधनों के इर्द-गिर्द समृद्ध करना होगा। जिस दिन हिमाचल अपने सीमांत क्षेत्रों को भी पर्यटन आकर्षणों में सम्मिलित कर पाया, उस दिन से हाई एंड पर्यटन का श्रीगणेश हर स्थान पर हो जाएगा।

स्कूल सुधारने का अभियान और विकास

सीजेपी की मांग पर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा तक देना पड़ा। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन ने सरकारों को देश की असली सच्चाई से सामना करने के लिए मजबूर कर दिया। वरना इससे पहले तो लग ही नहीं रहा था कि देश की परीक्षा प्रणाली और स्कूलों तथा शिक्षा की नरक होती हालत भी कोई मुद्दा हो सकता है। देश की सरकारों के लिए यह कोई बड़ा मुद्दा था ही नहीं, इसे नई पीढ़ी के युवाओं ने जबरन सरकार के गले में डाल कर यह एहसास कराया कि यह बड़ा मुद्दा है। अभी सिर्फ परीक्षा, स्कूल, शिक्षा ही मुद्दा नहीं हैं। देश में समस्याओं की भरमार है। सडक, बिजली, पानी, रोजगार, स्कूल, कॉलेज, अस्तपताल और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे मौजूद हैं। बस जरूरत इन मसलों पर सडकों पर उतरने की है, सरकारें भी सडक पर आ जाएंगी। अब आंदोलनों के जरिए ही जनता की मांगें मनवाई जा सकती हैं।

अब वह दौर आ गया है कि वोट देने के साथ ही देश की समस्याओं को लेकर सरकारों की नींद खोलनी के लिए आम लोगों को सडकों पर उतरना पड़ेगा। संख्या बल का इसमें ज्यादा महत्व नहीं है। मुट्ठी भर लोग भी ताकतवर सरकारों से जनहित में अपनी बात मनवा सकते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और उनके समर्थक जेन-जी के युवाओं ने देश भर में स्कूलों की दयनीय हालत का मुद्दा उठा कर यह साबित कर दिया कि चंद संघर्षशील नौजवान सरकारों का ध्यान आकर्षित करने और समस्या का समाधान कराने में कुछ हद तक कामयाब हो सकते हैं। सीजेपी ने देश भर में स्कूलों की खराब हालत को सुधारने के लिए अभियान चलाने की घोषणा की थी। इसी के तहत सीजेपी समर्थक जयपुर के रामपुरा कंवरपुरा गांव के एक सरकारी स्कूल की हालत जानने के लिए पहुंचे।

यह स्कूल भैंसों के बाड़े में टीन शेड के नीचे चल रहा था। हालांकि सीजेपी के कार्यकताओं और पदाधिकारियों को स्थानीय भाजपा विधायक के समर्थकों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। उनके साथ हाथापाई की गई। उनकी गाड़ियों के शीशे फोड़ दिए गए। इसके बावजूद सीजेपी स्कूल की हालत मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए देश को बताने में कामयाब हो गई। इस स्कूल को एक बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया। इसका भवन बनाने की घोषणा की गई। चंद सीजेपी कार्यकर्ता तमाम दुश्विारियों के बावजूद स्कूलों के मुद्दे को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने में कामयाब हो गए। जयपुर के स्कूल की हालत के बाद देश भर में सोशल मीडिया पर जर्जर स्कूलों की बाढ़ आ गई।

राज्यों की सरकारें विकास की पोल खुलने से बैचेन हो गईं। सोशल मीडिया पर स्कूलों की हालत को लेकर सरकारों की जम कर खिंचाई की गई। स्कूलों की हालत सामने आने के बाद राज्यों में विकास और तरक्की की असलियत उजागर हो गई। सरकारों को फजीहत के बाद स्कूलों की सुध लेने की घोषणा करने पर मजबूर होना पड़ गया। जयपुर के स्कूल की दुर्दशा का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर गूंजने के बाद राजस्थान की भजन लाल सरकार ने स्कूलों की सुध ली। राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार ने प्रदेश में 3587 नई स्कूल बिल्डिंग और 83783 नए क्लासरूम बनाए जाने की घोषणा की। राजस्थान के 22589 विद्यालयों में व्यापक निर्माण कर बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाया जाएगा।

वहीं, स्कूलों में जरूरी सुविधाओं के विस्तार के लिए 13616 नए शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। सरकारी विद्यालयों के कायाकल्प के लिए करीब 12500 करोड़ रुपए के बजट से आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की योजना है। फिलहाल स्कूलों से जुड़े करीब 3006 करोड़ रुपए के विकास कार्य प्रक्रिया में हैं। सीजेपी के स्कूल सुधारो अभियान के बाद ही उत्तर प्रदेश में सरकार ने 3126 परिषदीय व उच्च प्राथमिक स्कूलों का पुनर्निर्माण व मरम्मत 604 करोड़ रुपए से कराए जाने की घोषणा की। बेसिक शिक्षा विभाग ने इसके लिए 302 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी कर दी। इसमें खराब व जर्जर हो चुके भवनों की जगह नई बिल्डिंग का निर्माण कराया जाएगा। परिषदीय प्राथमिक विद्यालय पर 15.36 लाख रुपए खर्च होंगे। 2243 परिषदीय प्राथमिक स्कूलों की मरम्मत पर कुल 344.52 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

इसकी पहली किस्त के रूप में 172.26 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। शासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक 72 विद्यालयों में जीर्णोद्धार, पुनर्निर्माण, मरम्मत व अवस्थापना सुविधाओं के लिए विभाग की ओर से 9.62 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है। इसी तरह झारखंड और बिहार में पेपर लीक व धांधली के मामलों के बाद युवाओं के धरने-प्रदर्शन के बाद दोनों राज्यों की सरकारों को परीक्षाएं निरस्त करने पर विवश होना पड़ गया। झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार ने छात्र आंदोलनों के बाद जेपीएससी और जेएसएससी की कई परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला लिया। सरकार ने अनियमितताओं और पेपर लीक की शिकायतों के बाद कुल 22 से अधिक परीक्षाओं को रद्द किया है तथा अन्य पर जांच बिठाई है। बिहार में सम्राट चौधरी की सरकार ने 4500 पदों के लिए हुई सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी की ऑनलाइन परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के कारण रद्द कर दिया गया। इससे पहले केंद्र सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक को रोकने के लिए सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन अधिनियम 2026 लागू किया।

इसमें परीक्षा में व्यक्तिगत रूप से नकल करने या गलत तरीके अपनाने पर 5 से 10 वर्ष तक की सजा और 50 लाख रुपए तक का जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। संगठित रूप से पेपर लीक कराने या धांधली करने वाले गिरोहों के लिए 7 से 10 वर्ष की कैद और 1 करोड़ रुपए तक के जुमार्ने का प्रावधान है। परीक्षा आयोजित करने वाली लापरवाह या दोषी एजेंसियों पर 5 करोड़ रुपए तक का जुमार्ना और परीक्षा कराने पर 8 वर्ष तक की रोक लग सकती है। मामलों की जल्द सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें बनाए जाने की घोषणा की गई।

सीजेपी की मांग पर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा तक देना पड़ा। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन ने सरकारों को देश की असली सच्चाई से सामना करने के लिए मजबूर कर दिया। वरना इससे पहले तो लग ही नहीं रहा था कि देश की परीक्षा प्रणाली और स्कूलों तथा शिक्षा की नरक होती हालत भी कोई मुद्दा हो सकता है। देश की सरकारों के लिए यह कोई बड़ा मुद्दा था ही नहीं, इसे नई पीढ़ी के युवाओं ने जबरन सरकार के गले में डाल कर यह एहसास कराया कि यह बड़ा मुद्दा है। अभी सिर्फ परीक्षा, स्कूल, शिक्षा ही मुद्दा नहीं हैं। देश में समस्याओं की भरमार है। सडक, बिजली, पानी, रोजगार, स्कूल, कॉलेज, अस्तपताल और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे मौजूद हैं। बस जरूरत इन मसलों पर सडकों पर उतरने की है, सरकारें भी सडक पर आ जाएंगी। अब आंदोलनों के जरिए ही जनता की मांगें मनवाई जा सकती हैं।

योगेंद्र योगी
स्वतंत्र लेखक

अपनों के खून से रंगी अस्मिता की लड़ाई

मध्य प्रदेश के उज्जैन में करणी सेना के दो गुटों के बीच एक ढाबे में विवाद हो गया। झगड़ा इस कदर बढ़ा कि दो लोगों की मौत हो गई। दोनों गुट हथियार लेकर ढाबे में पहुंचे थे और विवाद बढ़ने पर बीच बचाव में ढाबा मालिक सहित दो लोगों की मौत हो गई। इसे केवल दो गुटों की आपसी हिंसा की घटना मानकर भुला देना आसान है। इस घटना ने कई असहज सवाल हमारे सामने खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जो संगठन स्वयं को हिंदू अस्मिता और समाज की रक्षा का प्रहरी बताता है, कथित उसके ही लोग जब आपस में भिड़कर एक-दूसरे की जान लेने लगें, तो आखिर उस अस्मिता और उस संरक्षण का अर्थ क्या रह जाता है? यह घटना किसी एक संगठन की आलोचना तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह हमारे पूरे सामाजिक चरित्र पर विचार करने का अवसर है। इतिहास गवाह है कि सत्ता, प्रतिष्ठा, अधिकार और स्वार्थ के लिए संघर्ष करने में मनुष्य ने कभी बाहरी शत्रु का इंतजार नहीं किया। राजघरानों और योद्धा समुदायों के इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब अपने ही लोग सत्ता और राज्य के लिए एक-दूसरे के विरुद्ध खड़े हुए। युद्ध किसी भी नाम से लड़ा गया हो, उसकी सबसे बड़ी कीमत अक्सर वह सामान्य व्यक्ति चुकाता रहा, जो अपने परिवार का पेट पालने के लिए सेना का हिस्सा बना था। यह भारत के लिए कुछ नया नहीं है, सत्ता की लड़ाई में हजारों वर्षों का इतिहास है। जब राजपूतों ने राजपूतों के साथ लड़ाई लड़ी, एक दूसरे को हराया और एक दूसरे के राज्य को छीना है। एक दूसरे के ऊपर शासन करने के लिए राजपूतों ने अपने ही लोगों पर हमले किए हैं। इन हमलों में हमेशा सेना के रूप में गरीब आदमी मारा गया, जो अपने परिवार को पालने के लिए सेना में शामिल होता था। अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में वही स्वरूप फिर देखने को मिल रहा है।

आज लोकतंत्र के दौर में तलवारों और राजसिंहासनों की जगह राजनीति, संगठन, विचारधारा और सामाजिक प्रतिष्ठा ने ले ली है, लेकिन मनुष्य का स्वार्थ यदि वही रहा तो संघर्ष का परिणाम भी बहुत अलग नहीं होगा। फर्क सिर्फ इतना है कि आज किसी राज्य को जीतने के लिए युद्ध नहीं होता, लेकिन वर्चस्व, प्रभाव और व्यक्तिगत हितों की लड़ाई में अपने ही लोग एक-दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं। उज्जैन की घटना इसी विडंबना को सामने लाती है। किसी संगठन की विचारधारा चाहे जितनी बड़ी हो, उसके कार्यकताओं का आचरण ही उस विचारधारा की वास्तविक पहचान बनता है। यदि हिंदू अस्मिता की रक्षा के नाम पर निकले लोग ही क्रोध, हिंसा और हथियारों का सहारा लें, तो यह आत्ममंथन का विषय है। अस्मिता केवल नारे लगाने से सुरक्षित नहीं होती। वह समाज में अनुशासन, करुणा, संयम और न्याय की भावना से सुरक्षित होती है। हमारे समाज में परिवार भी इसका छोटा-सा उदाहरण है। रिश्ते इसलिए मजबूत नहीं होते कि उनमें अधिकार अधिक होता है, बल्कि इसलिए मजबूत होते हैं कि उनमें विश्वास और प्रेम होता है। परिवार में सबसे अधिक विवाद भी अक्सर अपनों के बीच ही होते हैं। संपत्ति, सम्मान, अधिकार, अपेक्षाएं और अहंकार कई बार भाई को भाई से, पति को पत्नी से और संतान को माता-पिता से दूर कर देते हैं। लड़ाई के लिए हमें किसी बाहरी व्यक्ति की जरूरत नहीं पड़ती; हमारा स्वार्थ ही कई बार पर्याप्त होता है।

यही प्रवृत्ति जब सामाजिक और राजनीतिक जीवन में प्रवेश करती है तो उसका स्वरूप और भयावह हो जाता है। हर व्यक्ति अपने सम्मान को सर्वोच्च मानने लगे, हर समूह अपने हित को समाज से बड़ा समझने लगे और हर असहमति को दुश्मनी मान लिया जाए, तो सामाजिक सद्भाव की नींव कमजोर होना स्वाभाविक है। भारत की विकास यात्रा में सामाजिक शांति और सद्भाव की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। स्वतंत्रता के बाद देश ने अनेक चुनौतियों के बावजूद शिक्षा, उद्योग, कृषि, विज्ञान, तकनीक और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में लंबी यात्रा तय की। इसके पीछे केवल आर्थिक नीतियां नहीं थीं; समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच सहयोग और साझा भविष्य की भावना भी महत्वपूर्ण थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धर्म, जाति, पहचान और विचारधारा के नाम पर जिस तरह की कटुता बढ़ी है, वह चिंता का विषय है। जब सार्वजनिक जीवन में नफरत सामान्य व्यवहार का हिस्सा बनने लगे तो उसका असर धीरे-धीरे घरों और रिश्तों तक पहुंचता है। नफरत की खेती का सबसे बड़ा नुकसान यही है कि वह पहले ह्यदूसरेह्ल को निशाना बनाती है और धीरे-धीरे ह्यअपनेह्ल को भी संदिग्ध बना देती है। आज जिस व्यक्ति को हम अपने विचार का साथी मानते हैं, कल किसी छोटे मतभेद के कारण वही विरोधी नजर आने लगता है। इसके बाद संवाद की जगह आरोप, असहमति की जगह दुश्मनी और तर्क की जगह हिंसा ले लेती है। उज्जैन की घटना इसलिए चेतावनी है। हमें यह तय करना होगा कि हमारी पहचान हमें जोड़ने का माध्यम बनेगी या लड़ने का हथियार। किसी भी संगठन, धर्म या विचारधारा की वास्तविक ताकत उसके अनुयायियों की संख्या या उनके नारों में नहीं, बल्कि उनके व्यवहार में दिखाई देती है। समाज को यह समझना होगा कि प्रेम कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक शक्ति है। जिस परिवार में माता-पिता का सम्मान होता है, पति-पत्नी के बीच विश्वास होता है, भाई-बहनों के बीच सहयोग होता है और पड़ोसी एक-दूसरे के सुख-दुख में खड़े होते हैं, वही परिवार मजबूत होता है। यही सिद्धांत समाज और राष्ट्र पर भी लागू होता है। उज्जैन के ढाबे पर हुई हिंसा में दो लोगों की मौत केवल दो परिवारों की त्रासदी नहीं है। यह हमारे सामने खड़ा एक सवाल है— क्या हम अपनी अस्मिता की रक्षा के नाम पर अपने ही समाज को कमजोर कर रहे हैं? इतिहास से सबक लेने का अर्थ केवल गौरवशाली घटनाओं को याद करना नहीं, बल्कि अपनी गलतियों को भी पहचानना है। समय रहते यदि हमने क्रोध पर संयम, स्वार्थ पर संबंध और नफरत पर सद्भाव को प्राथमिकता नहीं दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमसे यही पूछेंगी कि हमने समाज को मजबूत किया था या उसे भीतर से कमजोर। आखिर किसी भी देश को बाहर का दुश्मन उतना नुकसान नहीं पहुंचा सकता, जितना उसके अपने लोगों के बीच पैदा हुई नफरत पहुंचा सकती है।

लेखक – सनत जैन

हमीरपुर की जुडाक अंकिता ठाकुर ने स्वर्ण व शिवांश ने कांस्य पदक स्कूल नैशनल में जीतकर हिमाचल का मान बढ़ाया है। अन्य कुछ और खेलों में भी हिमाचल के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं। हिमाचल प्रदेश में पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को उनके द्वारा जीते गए पदकों के लिए सम्मान व ईनाम बांट समारोह आयोजित नहीं हो रहा था।

कोर्ट परिसर और बाहर गैंगवार कानून व्यवस्था पर सवाल

अदालतों और कचहरी परिसरों के बाहर इस तरह की आपराधिक घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल उठाती हैं और आम नागरिकों में डर पैदा करती हैं।अदालतों के बाहर लगातार बढ़ रही गैंगवार और गोलीबारी की घटनाएं देश में न्यायपालिका और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं दरअसल कई बार कोर्ट परिसरों के गेट पर पर्याप्त पुलिसकर्मी या मेटल डिटेक्टर नहीं होते हैं। वकीलों, मुवक्किलों और आम जनता की भारी भीड़ के कारण संदिग्ध लोगों की पहचान करना कठिन हो जाता है। आने-जाने वाले वाहनों और लोगों की सघन तलाशी न होना अपराधियों को मौका देता है।देश के कई हिस्सों में अदालत परिसरों व उनके आस-पास अपराधी गिरोहों तथा अन्य लोगों द्वारा गोलीबारी और हिंसा का सिलसिला कुछ समय से जारी है जिससे ये स्थान असुरक्षित होते जा रहे हैं जिसका अनुमान पिछले दिनों लगातार हो रही घटनाओं से लगाया जा सकता है आपको बता दें 20 अगस्त 2026 को हरियाणा के हिसार कोर्ट परिसर में गोलीबारी की एक बड़ी घटना सामने आई, जिसमें ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर गैंगस्टर विनोद पाणु की हत्या कर दी गई।

आपको याद होगा 24 सितम्बर, 2021 को दिल्ली की रोहिणी अदालत के अंदर जज के सामने 2 हमलावरों ने गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी को गोलियों से भून डाला।बिहार - फरवरी 2024: आरा सिविल कोर्ट गेट के पास बदमाशों ने पेशी पर आए एक बुजुर्ग आरोपी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।8 जुलाई, 2022 को मोगा (पंजाब) के अदालत परिसर में एक केस के सिलसिले में पेशी भुगतने आए दोनों पक्षों के लोगों में पार्किंग एरिया में गाड़ी आगे बढ़ाने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर गोलियां चला दीं।7 फरवरी, 2023 को लुधियाना में पेशी भुगतने आए लोगों के 2 गुटों के बीच बहस के बाद एक पक्ष द्वारा फायरिंग कर देने से 3 लोग घायल हो गए। 21 अप्रैल, 2023 को दिल्ली के साकेत कोर्ट परिसर में एक वकील ने पेशी भुगतने आई एक महिला के साथ पुराने विवाद के चलते उस पर गोलियां चला दीं जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। 6 जुलाई, 2023 को दिल्ली की तीस हजारी अदालत में 2 वकीलों के ग्रुपों के बीच झगड़े के बाद पहले दोनों धड़ों ने एक-दूसरे पर पत्थरों से हमला किया और फिर एक धड़े के वकील ने दूसरे धड़े के वकील पर गोली चला दी। 4 सितम्बर, 2025 को भिवानी (हरियाणा) अदालत परिसर में वकीलों के एक चैम्बर के निकट अपने परिचितों के साथ बैठे एक व्यक्ति पर हमलावरों ने गोलियां चला कर उसे मार डाला। इस मामले की जांच रिपोर्ट में पता चला कि हमलावर वास्तव में उक्त व्यक्ति को मारने नहीं आए थे। उनका निशाना तो बिजेंद्र और काला नामक 2 व्यक्ति थे। सुपारी लेकर हमलावरों ने उन दोनों की हत्या की योजना बनाई थी परंतु फायरिंग के दौरान गोली गलत व्यक्ति को लग गई। 16 मई, 2026 को खरखौदा (हरियाणा) अदालत में दहेज प्रताड़ना और घरेलू विवाद के मामले में पेशी भुगतने आए नीरज उर्फ कातिया के पेशी के बाद एस.डी.एम. कार्यालय के निकट पहुंचते ही कार में सवार हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे नीरज की मौत हो गई। 6 अगस्त, 2026 को चरखी दादरी (हरियाणा) में अदालत में पेशी के बाद जा रहे 7 युवकों पर दूसरे पक्ष द्वारा अदालत परिसर से कुछ ही दूरी पर की गई ताबड़तोड़ फायरिंग के परिणामस्वरूप कार में सवार सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी गर्दन और पैरों पर 3 गोलियां लगी थीं। और अब 20 अगस्त, 2026 को हिसार (हरियाणा) के कोर्ट परिसर में गैंगस्टर विनोद काना पेशी भुगतने के बाद जब अपने साथियों के साथ पैदल चल कर बाहरी गेट के पास पहुंचा तो अचानक 2 हमलावरों ने ताबड़तोड़ 12 राऊंड से अधिक गोलियां बरसा कर विनोद काना की हत्या कर दी। इस हमले में गोली लगने से गैंगस्टर का एक साथी घायल हो गया तथा दूसरे के हाथ पर छर्रे लगे। ये तो सिर्फ कुछ वारदातें बानगी है आए दिन अपराधी अदालत में और बाहर परस्पर रंजिशन खून खराबा कर रहे हैं उन्हें कानून का तनिक भय नही है। इसी तरह की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए 12 अगस्त, 2023 को जस्टिस एस. रविंद्र भट्ट ने सुप्रीमकोर्ट में देश भर के न्यायिक परिसरों में अदालतों में सुरक्षा सम्बन्धी रणनीति बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा था कि, ऐसी घटनाएं न केवल जजों बल्कि वकीलों, अदालत के कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करती हैं। अदालत परिसरों में सुरक्षा मजबूत करने के आदेश देते हुए उन्होंने कहा कि, एक ऐसे स्थान के रूप में अदालत की पवित्रता को बनाए रखने के लिए समझौता नहीं किया जा सकता। अतः न्यायिक संस्थान सभी पक्षकारों की भलाई के लिए व्यापक कदम उठाएं। अदालत परिसरों में इस प्रकार की घटनाएं सुरक्षा प्रणाली में खामियों का मुंह बोलता उदाहरण हैं। इसके लिए जहां अदालत परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता है, वहीं अनेक अदालतों में प्रमुख स्थानों पर जहां अभी भी कैमरे नहीं लगे और जो लगे हैं, उनमें से भी अधिकांश काम नहीं कर रहे, उनका चालू हालत में होना अदालतों में सुरक्षा के लिए जरूरी है। कोर्ट के बाहर अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सख्त प्रवेश नियंत्रण, आधुनिक तकनीक और पुलिस-प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।अदालत परिसरों की सुरक्षा और अपराधियों के नियंत्रण के मुख्य उपाय इस प्रकार हैं:सख्त प्रवेश नियंत्रणः प्रत्येक प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर, डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और बैगेज स्कैनर लगाए जाएं। बिना वैध पहचान पत्र या कोर्ट पास के किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित हो।सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए परिसर के चारों ओर, गेट और गलियारों में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाकर एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से 24 घंटे निगरानी की जाए। पुलिस विभाग द्वारा अदालत परिसरों के लिए एक विशेष और प्रशिक्षित सशस्त्र सुरक्षा बल तैनात किया जाए।यातायात और पार्किंग नियमन अदालत के आसपास अवैध पार्किंग और भीड़भाड़ पर पूरी तरह रोक हो, ताकि संदिग्ध वाहनों या व्यक्तियों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके।खुफिया तंत्र और त्वरित कार्रवाईः स्थानीय पुलिस को अपराधियों की टोह लेने वाले और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल तत्वों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश हों। इसके साथ ही अदालतों में पुलिस की तैनाती बढ़ा कर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने की जरूरत है ताकि वहां खूनखराबे और मारकाट की घटनाओं के चलते न्याय प्रक्रिया में बाधा न पड़े।

लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आलेख

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है।

अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वातार्कार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया।

भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत-चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश-मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है।

शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए।

डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है-भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं। आज भारत-चीन संबंध जिस मोड़ पर खड़े हैं, वहां डोभाल की भूमिका संकटमोचक से आगे बढ़कर विश्वास-निमार्ता और सुरक्षा-आधारित कूटनीति के सूत्रधार की बनती दिखाई देती है। 25वें दौर की वार्ता में हुई आठ सूत्रीय सहमति इसका प्रमाण है कि कठिनतम मतभेदों के बीच भी संवाद के रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा इस प्रक्रिया को शीर्ष नेतृत्व की राजनीतिक दिशा दे सकती है। किंतु असली सफलता किसी एक शिखर बैठक की तस्वीर में नहीं, बल्कि सीमा पर स्थायी शांति, पारस्परिक विश्वास, व्यापारिक संपर्क और विवादों के न्यायसंगत समाधान में होगी। भारत को चीन से संबंध सुधारने हैं, लेकिन अपनी सामरिक स्वायत्तता और सुरक्षा-सजगता के साथ। डोभाल की कूटनीति का सार भी यही है-संवाद के दरवाजे खुले रहें, पर राष्ट्रीय हितों की चौखट कभी कमजोर न हो। यही दृष्टिकोण भारत-चीन संबंधों को टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व और अंततः स्थायी शांति की ओर ले जाने की सबसे व्यावहारिक राह बन सकता है।

लेखक – ललित गर्ग
(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त वार्ता

भ्रष्टाचार मामले में अदालत ने जल बोर्ड के पूर्व सीईओ को दो दिन की रिमांड पर एसीबी को सौंपा

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सीईओ उदित प्रकाश राय और एक निजी व्यक्ति नागेंद्र यादव को राउज एवेन्यू अदालत ने शनिवार को बोर्ड से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में एसीबी को दो दिन की रिमांड पर सौंप दिया है। विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह की अदालत ने दोनों आरोपियों की रिमांड की मांग करने वाली भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की याचिका को स्वीकार कर लिया है। एसीबी ने कहा कि उसे मामले से संबंधित हवाला लेनदेन के बारे में आरोपियों से पूछताछ करने की जरूरत है। दावा किया गया कि आरोपी शाखा के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। हालांकि, आरोपी के वकील ने याचिका का विरोध किया।

सीएनजी महंगी, वाहन मालिकों पर 4 करोड़ का मासिक बोझ

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। राजधानी में सीएनजी की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी ने वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। मई से अब तक सीएनजी के दाम में यह पांचवीं वृद्धि है। इस वर्ष अप्रैल की तुलना में सीएनजी करीब 14 प्रतिशत महंगी हो चुकी है। शनिवार को हुई ताजा बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी की कीमत 86.97 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। इसका सीधा असर निजी वाहनों के साथ-साथ ऑटो, टैक्सी, वाहन किराये और माल ढुलाई से जुड़े लोगों पर पड़ रहा है। दिल्ली में पंजीकृत 20 लाख से अधिक सीएनजी वाहनों को आधार मानें तो प्रत्येक वाहन पर औसतन 200 से 300 रुपये प्रतिमाह का अतिरिक्त खर्च बढ़ने से वाहन मालिकों पर कुल मिलाकर 4 करोड़ रुपये से अधिक का मासिक अतिरिक्त भार पड़ने का अनुमान है। लगातार बढ़ती कीमतों से वाहन चालकों में नाराजगी बढ़ रही है।

अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। गाजीपुर पुलिस ने वारदात की फिराक में निकले एक बदमाश को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान खिचड़ीपुर गांव निवासी एजाज अहमद के रूप में हुई है। उसे 25 अगस्त की शाम डीडीए पार्क के पास पेपर मार्केट इलाके में गश्त के दौरान पुलिस टीम ने दबोचा। गाजीपुर थाने में आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वह यह हथियार कहां से लाया था।

दिल्ली स्टेट स्कूल गेम्स : पिस्टल, राइफल और ओएसआर में खिलाड़ियों ने जीते पदक

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली स्टेट स्कूल गेम्स के तहत आयोजित निशानेबाजी प्रतियोगिता में अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कालकाजी शूटिंग रेंज में आयोजित मुकाबलों में पिस्टल, राइफल और ओपन साइट राइफल (ओएसआर) स्पधार्ओं में सटीक निशानेबाजी देखने को मिली। अंडर-17 वर्ग में लड़कियों की पिस्टल में पारी प्रथम, चंदर प्रभा द्वितीय, नियामिका राणा तृतीय रहीं। लड़कों में तनिष कुमार विजेता, शौर्य चौधरी दूसरे, शिवांश गुप्ता तीसरे स्थान पर रहे। राइफल में लड़कियों में केरन ने स्वर्ण, सिमरन मल्होत्रा ने रजत, हीया मखीजानी ने कांस्य जीता। लड़कों में रित्विक रुद्र प्रथम, दक्ष सेजवाल द्वितीय, मनीष चोकन तृतीय रहे। ओएसआर अंडर-17 में लड़कियों में ध्वनि सिंघल, रायना ग्रोवर, आर्ना झा ने क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा स्थान पाया। लड़कों में आर्यन गिरी विजेता, कबीर दूसरे, स्पर्श जादौन तीसरे रहे। अंडर-19 में पिस्टल लड़कियों में रोशनी पंडित प्रथम, साइना चौधरी द्वितीय, हर्षिता राठी तृतीय रहीं। लड़कों में यश भारद्वाज स्वर्ण, ईशान यादव रजत, पुनित कांस्य विजेता रहे।

मानसून कमजोर पड़ते ही फिर बढ़ने लगी गर्मी

दिल्ली-एनसीआर में कई जगह खराब हुई हवा

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। मानसून की सक्रियता कमजोर पड़ते ही दिल्ली-एनसीआर के मौसम में एक बार फिर बदलाव दिखाई देने लगा है। पिछले दिनों बारिश और बादलों के कारण तापमान में राहत महसूस कर रहे लोगों को अब धीरे-धीरे बढ़ती गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के स्थानीय पूवार्नुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रह सकता है, लेकिन फिलहाल भारी बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। अधिकतम तापमान अगले कुछ दिनों में 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक 29 अगस्त को अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आंशिक रूप से बादल छाए रहने का भी अनुमान है और विभाग की ओर से कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

30 अगस्त को भी मौसम लगभग इसी तरह रहने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री रह सकता है, जबकि आर्द्रता 75 और 60 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है। 31 अगस्त को भी अधिकतम तापमान 36 डिग्री तथा न्यूनतम 26 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है। सितंबर की शुरूआत में तापमान में मामूली कमी देखने को मिल सकती है। 1 सितंबर को

अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री जबकि 2 सितंबर को पारा 33 डिग्री अधिकतम और 25 डिग्री न्यूनतम तक रह सकता है। वहीं, 3 सितंबर को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इन सभी दिनों में मौसम आंशिक रूप से बादलों वाला रहने की संभावना है।

29 से 31 अगस्त के बीच जहां अधिकतम तापमान 36 डिग्री तक पहुंच सकता है, वहीं सितंबर के शुरूआती तीन दिनों में यह घटकर 33-34 डिग्री के आसपास आ सकता है। तापमान बढ़ने के साथ ही दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता में भी गिरावट देखने को मिल रही है। केंद्रीय क्षेत्र के कई निगरानी स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) येलो और ग्रीन श्रेणी से बाहर निकलकर खराब स्तर की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। उपलब्ध आंकड़ों में आनंद विहार का एक्यूआई 376 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में है। वहीं मथुरा रोड पर 181, अशोक विहार में 142, अलीपुर में 138, बुराड़ी क्रॉसिंग में 134, आया नगर में 128 और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 114 एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली के अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति वाले इलाकों में चांदनी चौक का एक्यूआई 85 और कैंटोनमेंट क्षेत्र का 71 दर्ज हुआ। राजधानी के अलग-अलग इलाकों में हवा की गुणवत्ता में काफी अंतर है। नोएडा के चार सक्रिय मॉनिटरिंग स्टेशनों के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले हैं। सेक्टर-125 में एक्यूआई 174, सेक्टर-62 में 128, सेक्टर-1 में 148 और सेक्टर-116 में सबसे अधिक 187 दर्ज किया गया। यानी नोएडा के सभी चार सक्रिय स्टेशनों पर हवा ग्रीन श्रेणी से काफी ऊपर दिखाई दे रही है। गाजियाबाद के उपलब्ध छह सक्रिय स्टेशनों में स्थिति अलग-अलग रही। गोविंदपुरम में एक्यूआई 49, इंदिरापुरम में 83, लोनी में 206, संजय नगर में 42, वसुंधरा में 177 और वेद विहार-लोनी में 140 दर्ज किया गया।

इनमें संजय नगर की हवा सबसे बेहतर रही, जबकि लोनी में 206 एक्यूआई के साथ प्रदूषण सबसे अधिक दर्ज हुआ। गोविंदपुरम में एक्यूआई 49 रहा, जो अपेक्षाकृत साफ हवा की स्थिति को दशार्ता है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बारिश की गतिविधियां कम होने, हवा की गति में बदलाव और वातावरण में नमी के कारण प्रदूषक तत्वों के फैलाव की स्थिति प्रभावित हो सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में तापमान के साथ-साथ हवा की गुणवत्ता पर भी नजर रखना जरूरी होगा। फिलहाल मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की है, लेकिन बढ़ता तापमान और कई इलाकों में खराब एक्यूआई एनसीआर के लिए दोहरी चुनौती बनता दिख रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी 3.89 रुपये महंगी

लोगों ने कहा- मध्यम वर्ग पर बढ़ा बोझ

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि के बाद शनिवार को लोगों ने इस वृद्धि के प्रभाव पर चिंता व्यक्त की और इसे बढ़ती मुद्रास्फीति के बीच मध्यम वर्ग पर एक अतिरिक्त बोझ बताया है। स्थानीय निवासी ने कहा, ह्लसीएनजी की कीमत में लगभग 4 रुपये की बढ़ोतरी हुई है और कुछ दिन पहले भी इसके दाम बढ़े थे। जब मैंने अपनी कार खरीदी थी, तब सीएनजी की कीमत लगभग 56 रुपये प्रति किलोग्राम थी। अब यह बढ़कर 96 रुपये हो गई है, जो लगभग पेट्रोल की कीमत के बराबर है। यह मध्यम वर्ग के साथ अन्याय है।

स्थानीय निवासी ने कहा, जब मैं आज सुबह सीएनजी भरवाने आया, तो मुझे पता चला कि सीएनजी के दाम भी बढ़ गए हैं। महंगाई दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। एक हफ़्ते पहले चीनी के दाम भी बढ़े थे और अब गैस भी महंगी हो गई है। टैक्सी चलाने वाले हमारे ड्राइवर भाइयों को अच्छा किराया नहीं मिलता और वे ज्यादा कमाई नहीं कर पाते। अब सीएनजी के दाम बढ़ने से ड्राइवरों पर काफी असर पड़ेगा।

एक स्थानीय निवासी ने कहा कि सीएनजी की कीमतों में बार-बार हो रही वृद्धि के कारण वाहन मालिकों के लिए अपने खर्चों का प्रबंधन करना दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। तीसरे निवासी ने भी ईंधन की कीमतों में बार-बार हो रही वृद्धि और घरेलू बजट पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा, अगर सीएनजी की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो इससे माल और खाद्य पदार्थों की आपूर्ति करने वाले सभी परिवहन तंत्रों पर दबाव पड़ेगा और अंततः उपभोक्ताओं के लिए कीमतें बढ़ जाएंगी। साथ ही, बाइक टैक्सी, रेडियो कैब और ऑटो रिक्शा जैसे सार्वजनिक परिवहन से यात्रा करने वाले लोगों को भी अधिक भुगतान करना पड़ेगा, जिससे परिवारों के बजट पर और अधिक दबाव पड़ेगा।

एक निवासी ने कहा कि अगर यह 400 रुपए तक बढ़ जाता है, तो मजदूरी का खर्च भी बढ़ जाएगा। आप जानते ही हैं, जितना ज्यादा आप काम करेंगे, उतनी ही ज्यादा कमाई होगी। अगर आप अपनी कार खड़ी करके सो जाएंगे, तो कुछ भी नहीं कमा पाएंगे। कमाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मैं सुबह जल्दी काम शुरू करता हूं। कल मेरी छुट्टी थी। मैं सुबह 5 बजे निकलता हूँ और रात 9 बजे तक कार चलाता हूँ। मैं आराम से और सामान्य गति से गाड़ी चलाता हूँ और रोजाना लगभग 1,000, 1,200 या 1,500 रुपए कमा लेता हूं। स्थानीय निवासी ने कहा कि हम इसके बारे में क्या कह सकते हैं? यह पूरी जनता के लिए समस्या है। सरकार जिस तरह से इस मामले को संभाल रही है, उससे हम खुश नहीं हैं। पहले हम सीएनजी के लिए लगभग 16 रुपये प्रति किलो देते थे, और अब बढ़ोतरी के बाद यह 86.98 रुपये प्रति किलो हो जाएगा। हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं?

दिल्ली में ऑटो से गैस सिलेंडर चोरी करने वाले 2 चोर समेत 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। निहाल विहार पुलिस स्टेशन की टीम ने 2 चोरों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी से 5 मामलों का खुलासा हुआ। सभी आरोपियों का पहले का आपराधिक रिकॉर्ड है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि 20 अगस्त को एक शिकायत मिली, जिसमें शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि किसी ने उसकी दुकान का ताला तोड़कर 2 कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर, 2 इन्वर्टर बैटरी और 5,000 नकद चोरी कर लिए। इसके बाद निहाल विहार पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान, पुलिस टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। विश्लेषण के दौरान, कुछ लोगों को ऑटो-रिक्शा में घटना स्थल पर आते देखा गया। साथ ही, स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर घटना में शामिल आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए गए।

इसी बीच रिसाल गार्डन, नांगलोई-नजफगढ़ रोड पर ऑटो-रिक्शा के साथ आरोपियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली। जानकारी के आधार पर पुलिस ने चिह्नित स्थान पर एक सुनियोजित छापेमारी की और दो संदिग्धों को एक ऑटो-रिक्शा के साथ पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उनकी पहचान मोहित उर्फ पाठा और राजीव के रूप में हुई। ऑटो-रिक्शा की तलाशी के दौरान, एक कमर्शियल एलीपीजी सिलेंडर बरामद हुआ, जो चोरी किया गया था।

पुलिस ने जब ऑटो-रिक्शा से जुड़े जरूरी कागजात दिखाने के लिए कहा गया, तो वे उन्हें दिखा नहीं पाए। जांच करने पर पता चला कि ऑटो-रिक्शा चोरी का था, जिसके संबंध में गुरुग्राम के पालम विहार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज है। आरोपियों ने बताया कि अपराध करने के बाद उन्होंने चोरी का सामान महेंद्र को बेच दिया था और उसके ठिकाने के बारे में जानकारी दी। इस जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने बताई गई जगह पर छापा मारा और महेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। टीम ने उसके पास से 1 कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर और 4 घरेलू एलपीजी सिलेंडर बरामद किए, जो चोरी के थे।

महापौर ने भलस्वा लैंडफिल साइट का निरीक्षण कर, बायो माइनिंग कार्यों का लिया जायजा

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने शनिवार को भलस्वा लैंडफिल साइट का निरीक्षण कर वहां चल रहे बायो माइनिंग कार्यों का जायजा लिया। महापौर प्रवेश वाही ने अधिकारियों को भलस्वा लैंडफिल साइट पर चल रहे कचरा निस्तारण के कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बायो माइनिंग कार्यों में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त मशीनें लगाई जाएं।

प्रवेश वाही ने कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर जमा लिगेसी कचरे का पहाड़ पहले से काफी कम हुआ है। उन्होंने कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर प्रतिदिन लगभग 15000 मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण होता है। वाही ने अधिकारियों को अतिरिक्त मशीनें लगाने के आदेश दिए गए हैं ताकि लिगेसी कचरे का निस्तारण निर्धारित समय में पूरा कर लिया जाए। महापौर ने कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर जमा नए कचरे के निस्तारण में सितंबर के उपरान्त ओर तेजी आ जाएगी। उन्होंने बताया कि लैंडफिल साइट पर केवल 4-5 लाख टन लिगेसी कचरा बचा है और नए कचरे का निस्तारण दोगुनी तेजी से करने के निर्देश दिए।

प्रवेश वाही ने बताया कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर वेस्ट टू एनर्जी संयंत्र लगाने का कार्य भी चल रहा है जिसके पश्चात कचरा निस्तारण के कार्य में और भी तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि लैंडफिल साइट से कचरा निस्तारण के बाद निकलने वाले इनर्ट को जमीन की भराई के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली नगर निगम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा स्वच्छ सुन्दर एवं कचरा मुक्त दिल्ली के मिशन को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दिल्ली के नागरिकों से अपील की कि वो कूड़े को चार श्रेणियों में पृथक कर कूड़े का सही तरीके से निस्तारण करें। स्वच्छता को अपनी आदत बना कर दिल्ली को साफ स्वच्छ एवं हरित बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं।

भलस्वा लैंडफिल साइट के निरीक्षण के दौरान उत्तरी क्षेत्र के उपाध्यक्ष संजय त्यागी, मनोनीत सदस्य राजपाल राणा, अतिरिक्त आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा, प्रमुख अभियंता के.के. शर्मा सहित दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बारापुला के तीसरे फेज को खोलने के लिए सीएम से मांगा समय

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। बारापुला फ्लाईओलर का तीसरा फेज बनकर तैयार हो गया है और इसे खोलने के लिए मुख्यमंत्री से उद्घाटन का समय मांगा गया है। पीडब्ल्यूडी सूत्रों का कहना है कि जल्द मुख्यमंत्री इसका उद्घाटन कर सकती हैं। मयूर विहार से सराय काले खां तक इस फ्लाईओवर बनने से मयूर विहार से एम्स तक वाहन चालकों के लिए सिग्नल मुक्त सफर हो जाएगा। जानकारी के अनुसार बारापुला फ्लाईओवर पर फिलहाल एम्स से सराय काले खां तक सिग्नल मुक्त सफर चल रहा है। एम्स के पास से शुरू होने वाले इस फ्लाईओवर का एक हिस्सा सराय काले खां जबकि दूसरा डीएनडी पर समाप्त होता है। बारापुला के तीसरे फेज में सराय काले खां से मयूर विहार तक लगभग 3.5 किलोमीटर का विस्तार किया गया है। इसके तैयार होने से एम्स से मयूर विहार तक इसकी कुल लंबाई 9 किलोमीटर हो गई है। बीते22 जून को फ्लाईओवर का आखिरी स्लैब रखा गया था। इसके बाद फ्लाईओवर को वाहनों के लिए तैयार करने का अंतिम कार्य किया जा रहा था। इस सप्ताह निर्माण कार्य करने वाली कंपनी ने पीडब्ल्यूडी को फ्लाईओवर के तैयार होने की जानकारी दे दी है।

ऑपरेशन मिलाप : नंद नगरी पुलिस ने दो लापता नाबालिग लड़कियों को खोजकर परिजनों से मिलाया

नई दिल्ली (वेब वार्ता)

दिल्ली के नॉर्थ-ईस्ट जिले की पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो लापता नाबालिग लड़कियों को सुरक्षित ढूंढकर उनके परिजनों से मिलाया है। यह कार्रवाई नंद नगरी थाने की पुलिस ने की है।

पुलिस के अनुसार 19 अगस्त को दो नाबालिग लड़कियां (उम्र करीब 14 साल) लापता हो गई थीं। ये सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सुंदर नगरी में कक्षा 9 की छात्रा हैं। इस संबंध में नंद नगरी थाने में बीएनएस की धारा 137(2) के तहत दो एफआईआर दर्ज की गईं और जांच शुरू की गई।

मामला दर्ज होते ही पुलिस ने लड़कियों की तलाश के लिए लगातार प्रयास शुरू किए। इंस्पेक्टर आनंद यादव, एसएचओ, थाना नंद नगरी के नेतृत्व में और विजय कुमार, एसीपी, नंद नगरी की देखरेख में विशेष टीमें बनाई गईं। टीमों ने तकनीकी निगरानी, मोबाइल नंबरों और लोकेशन की जांच, संपर्कों और जान-पहचान वालों के सत्यापन और व्यापक फील्ड इंटेलिजेंस के जरिए अहम सबूत जुटाए। इन्हीं प्रयासों के चलते 22 अगस्त को पहली नाबालिग लड़की को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि मध्य प्रदेश की तरफ जाते समय दोनों लड़कियों की मुलाकात एक व्यक्ति से हुई थी, जो बाद में उन्हें खजुराहो / बागेश्वर की तरफ ले गया।

लगातार तकनीकी निगरानी, रिश्तेदारों और साथियों के सत्यापन, खुफिया जानकारी जुटाने और निरंतर फील्ड प्रयासों के जरिए पुलिस टीम ने दूसरी लापता नाबालिग लड़की को भी बरामद कर लिया। कानूनी औपचारिकताएं और जरूरी काउंसलिंग पूरी करने के बाद दोनों लापता नाबालिग लड़कियों को सुरक्षित उनके माता-पिता को सौंप दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

सज्जन कुमार के घर जाने वाले भाजपा सांसदों पर कार्रवाई हो

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में दोषी सज्जन कुमार के घर अफसोस जताने गए भाजपा के तीन सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कमेटी ने इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को पत्र लिखा है।

हर्ष विहार पुलिस को बड़ी कामयाबी

चोरी केस में 4 लाख और बरामद, कुल रिकवरी 5.90 लाख पहुंची

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के हर्ष विहार थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी फिरोज के पुलिस रिमांड के दौरान 4 लाख रुपए की अतिरिक्त नकदी बरामद की है। इसके साथ ही इस केस में कुल रिकवरी 5 लाख 90 हजार रुपए तक पहुंच गई है, जिसमें चोरी की नकदी और मोटरसाइकिल शामिल है।

यह मामला ई-एफआईआर नंबर 80068947/26, धारा 305/331(4)/317(2) बीएनएस के तहत दर्ज है। इसी केस में पहले की गई कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए हर्ष विहार थाने ने आरोपी फिरोज की पुलिस हिरासत रिमांड के दौरान यह बरामदगी की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी फिरोज के दो दिन के पुलिस रिमांड के दौरान उसकी निशानदेही पर पुलिस टीमों ने बुलंदशहर और मेरठ में कई जगहों पर छापेमारी की। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी फिरोज ने चोरी की नकदी को छिपाने के बारे में खुलासा किया। उसके खुलासे और निशानदेही पर पुलिस टीम ने गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में गली नंबर 1, पप्पू कॉलोनी स्थित उसकी बहन के गोदाम में तलाशी ली।

तलाशी के दौरान गोदाम से चोरी के 4 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। आरोपी ने यह नकदी अपनी बहन को बिना बताए वहां छिपा रखी थी। ताजा बरामदगी के साथ इस मामले में कुल 4 लाख 94 हजार 800 रुपए नकद और चोरी के 96 हजार रुपए से खरीदी गई एक हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस आरोपी के साथी की गिरफ्तारी और चोरी की बाकी संपत्ति की बरामदगी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मामले में आगे की जांच जारी है।

दिल्ली की अदालत ने लालकिला विस्फोट मामले में एनआईए के आरोपपत्र का संज्ञान लिया

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को लालकिला विस्फोट मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा दाखिल 7,500 पन्नों के आरोपपत्र का संज्ञान लिया। पिछले साल 10 नवंबर को लालकिले के पास एक कार में हुए विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। इस कार को डॉ उमर उन नबी चला रहा था। विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने एजेंसी के आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए नौ सितंबर की तारीख तय की। एनआईए ने इस साल 14 मई को 10 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोपपत्र में कहा गया है कि इन 10 आरोपियों में मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी समेत सभी के तार अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े थे। यह संगठन भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा की शाखा है। एजेंसी ने तीन और लोगों के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था। इनमें एक फरार बाल रोग विशेषज्ञ भी शामिल है, जिसे आतंकवादी मॉड्यूल के संस्थापक सदस्यों में से एक बताया गया है। इन लोगों पर विस्फोट में शामिल होने का आरोप है। इसके साथ ही मामले में आरोपपत्र दाखिल किए गए आरोपियों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है।

दिल्ली जोन-2 चेस टूर्नामेंटः परागवेंद्र और आरोही ने जीते खिताब

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली जोन-2 ने आईपी एक्सटेंशन स्थित गवर्नमेंट को-एड सर्वोदय विद्यालय में जोनल चेस टूर्नामेंट का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में सब जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया। सब जूनियर बॉयज वर्ग में एल्कॉन पब्लिक स्कूल के परागवेंद्र पाल ने पहला स्थान हासिल किया। कोंडली घड़ोली स्कूल के साहिल कुमार दूसरे स्थान पर रहे। एल्कॉन पब्लिक स्कूल के आरव जैन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर गर्ल्स वर्ग में ऋषभ पब्लिक स्कूल की आरोही ने पहला स्थान जीता। रियांशी पॉल दूसरे स्थान पर रहीं। राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, कल्याणवास की निहारिका ने तीसरा स्थान हासिल किया।

दिल्ली में ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा

पिता ने दोस्त के साथ मिलकर की अपने ही बेटे की हत्या

नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा किया है। पुलिस ने एक 64 वर्षीय व्यक्ति और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। इन पर एक 38 वर्षीय व्यक्ति की हत्या का आरोप है।

आरोपियों की पहचान 64 वर्षीय तालुकदार अंसारी और 49 वर्षीय मोहम्मद वसीम उर्फ अकरम के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित गुल हसन को डॉक्टर के पास ले जाने के बहाने एक सुनसान कंटेनर में ले जाया गया, जहां उसके साथ मारपीट की गई और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई।

पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त को शाम करीब 7:13 बजे एक अज्ञात शव के बारे में सूचना मिली। शव कालिंदी कुंज पुलिस स्टेशन के इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से करीब 500 मीटर पूर्व और कच्ची कॉलोनी, गली नंबर 1 के पास एनटीपीसी दीवार के नजदीक एक सुनसान कंटेनर में मिला, जिसे स्थानीय लोग बबलू का कंटेनर कहते हैं। सूचना मिलने के बाद, कालिंदी कुंज थाने के एसएचओ पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने भी घटनास्थल का दौरा किया और हालात का जायजा लिया। पीड़ित कंटेनर के अंदर पड़ा मिला और उसके सिर पर चोट का निशान था। शव के पास से खून के धब्बों वाला एक कंक्रीट का ब्लॉक भी बरामद किया गया।

शुरूआती जांच के दौरान, पुलिस ने पीड़ित के सिर के बाईं ओर कनपटी पर चोट देखी। यह चोट मौके पर मिले खून लगे कंक्रीट ब्लॉक से लगी हो सकती है। चूंकि मृतक की पहचान तुरंत नहीं हो पाई थी, इसलिए पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए, पीड़ित की पहचान करने और अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए चार टीमें बनाई गईं। इन टीमों में कालिंदी कुंज पुलिस स्टेशन, स्पेशल स्टाफ, नारकोटिक्स और एंटी-ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) के जवान शामिल थे।

इस जांच का नेतृत्व सरिता विहार एसीपी अनिल कुमार शर्मा ने किया। यह जांच दक्षिण-पूर्व जिला डीसीपीविनीत कुमार (आईपीएस) की देखरेख और दक्षिणी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय कुमार (आईपीएस) के मार्गदर्शन में की गई। शुरूआत में न तो पीड़ित की पहचान पता थी और न ही उसकी मौत के हालात, इसलिए जांच करने वालों के सामने एक बड़ी चुनौती थी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, टेक्निकल सर्विलांस, खुफिया जानकारी और जमीनी स्तर पर जांच-पड़ताल का इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर जांच की। जांच करने वालों ने उस इलाके और उसके आस-पास लगे कई कैमरों की फुटेज देखी और कैमरे-दर-कैमरे के रास्ते से पीड़ित की गतिविधियों का पता लगाने की कोशिश की। कई दिनों तक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करने के बाद, पुलिस को एक अहम सुराग मिला। फुटेज में पीड़ित को दो अन्य लोगों के साथ उस जगह की ओर जाते हुए देखा गया जहां बाद में उसका शव मिला। इसके बाद संदिग्धों का पता गोविंदपुरी की एक सिलाई फैक्ट्री में चला, जहां पुलिस ने तालुकदार अंसारी और मो. वसीम उर्फ अकरम को पकड़ा।

देवरिया में बोले सीएम योगी, 'एक परिवार के पांच सांसदों वाली पार्टी का भी जनता पार्टी जैसा हाल होगा

वो वार्ता, देवरिया

एक ही परिवार के पांच सांसद होने को लेकर समाजवादी पार्टी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि पार्टी इसलिए बची हुई है क्योंकि एक ही परिवार के पांच सांसद हैं। घबराइए मत, इनका हाल भी जनता पार्टी जैसा होने वाला है।

देवरिया में विकास परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सपा पर परिवार केंद्रित राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार लेने के लिए नहीं, देने के लिए आयोजन कर रही है। अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन्होंने तंज कसा कि जब वह उद्घाटन करने जा रहे थे तो ह्यबबुआह्ल की नींद टूट गई और वह आनन-फानन में प्रेस कांफ्रेंस करने लगे।

मुख्यमंत्री ने सपा सरकार के कार्यकाल को भी निशाने पर लिया। जयप्रकाश नारायण सेंट्रल जेल का उदाहरण देते हुए कहा कि परियोजना की लागत करीब 200 करोड़ रुपये थी, लेकिन सपा सरकार में 817 करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए और इसके बावजूद परियोजना पूरी नहीं हुई। इसे पूरा करने के लिए अब भी करीब 150 से 200 करोड़ रुपये और खर्च करने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह जनता की गाढ़ी कमाई है, किसी ह्यसैफई सिंडिकेटह्ल की नहीं। सरकारी खजाने पर बोझ डालने के लिए निजी कंपनी बनाने की कोशिश को भी उन्होंने साजिश बताया।

योगी ने परिवारवाद के मुकाबले अपनी सरकार के कामकाज को राजनीतिक आधार बनाया। कहा कि गरीब को बिना भेदभाव राशन और सरकारी योजनाओं का लाभ मिले तथा नौजवान को रोजगार और नियुक्ति पत्र मिले, यही वास्तविक सुशासन है। सरकार की विभिन्न योजनाओं से युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने, डिजिटल एंटरप्रेन्योर और ग्राम पंचायत स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की बात भी कही।

युवाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार दो करोड़ युवाओं को टैबलेट उपलब्ध कराने का लक्ष्य लेकर चल रही है। तकनीक के माध्यम से शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ नौकरियों का खजाना खोलने का दावा उन्होंने किया।

क्षेत्रीय राजनीति को साधते हुए मुख्यमंत्री ने भाटपाररानी के विधायक सभा कुंवर के प्रस्ताव पर क्षेत्र के सभी फ्लाईओवर निर्माण प्रस्तावों को स्वीकृति दिए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के परिश्रम और पुरुषार्थ से देवरिया विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मीडिया की भूमिका पर भी मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। सरकार से सवाल पूछना और समाज की समस्याओं की ओर ध्यान दिलाना उसका दायित्व है। मीडिया की आवाज दबाने के बजाय उसके सवालों का सम्मान किया जाना चाहिए।

बिना भेदभाव लोगों तक पहुँचा जा रहा है

उन्होंने कहा कि प्रदेश की तस्वीर और पहचान बदल चुकी है। अब उत्तर प्रदेश को कोई बीमारू राज्य नहीं कहता। प्रदेश में माफिया राज समाप्त हुआ है और दंगे-फसाद पर प्रभावी नियंत्रण है। इंसेफेलाइटिस जैसी घातक बीमारी पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने का दावा करते हुए उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गरीबों को आवास, शौचालय, रसोई गैस और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाएं आसानी से नहीं मिलती थीं। गरीबों के हिस्से का राशन तक बेच दिया जाता था और व्यवस्था माफिया के हवाले थी। अब सरकार की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।

संक्षिप्त वार्ता

जीआरपी ने एक लाख की अवैध शराब के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

वेब वार्ता, कानपुर। जीआरपी पुलिस ने एक लाचख की अवैध शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। तस्कर के पास ब्रांडेड शराब की लगभग 27 लीटर शराब बरामद की। प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल ओम नारायण सिंह ने बताया कि दोपहर 12.10 बजे कानपुर सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन गोविन्दपुरी के प्लेटफार्म नं0 01 हावडा इण्ड के आगे खम्भा नं0 1020/29। के पास से चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त पाण्डव कुमार पुत्र इन्द्रदेव यादव निवासी ग्राम सितुआहा वार्ड नं0 1 थाना सलखुआ जनपद सहरसा बिहार को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के पास से 3 पिट्ठू बैग मे कुल पच्चीस (36) बोतल यानी कुल 27 लीटर अंग्रेजी अवैध शराब बरामद हुई। जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रू0 से अधिक है। पुलिस ने बताया कि पूछतांछ में अभियुक्त ने बताया कि वह अवैध अंग्रेजी शराब हरियाणा से लाकर बिहार जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहा था। अभियुक्त से अन्य सदस्यों की जानकारी व अन्य जनपदों तथा प्रान्तों से आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। पकडने वाली टीम में एसआई धीरेन्द्र प्रताप सिंह प्रभारी चौकी गोविन्दपुरी थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल, हे0का0 वीरेन्द्र कुमार, शिव सिंह, सत्येन्द्र सिंह, वैश खान, राज कमल वर्मा थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल रहे।

हरदोई के प्रसिद्ध मिर्चा राम स्वीट्स पर खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी और असुरक्षित खाद्य सामग्री की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से जनपद में लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पुलिस बल के साथ शहर के नामचीन मिठाई एवं स्नैक्स प्रतिष्ठान मिर्चा राम स्वीट्स पर अचानक छापेमारी की। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों की गंभीर अनदेखी सामने आई। भारी गंदगी और अस्वच्छ परिस्थितियां पाए जाने पर विभाग ने तत्काल प्रभाव से कारोबार बंद कराने के निर्देश दिए।

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के फ्रिज के अंदर चूहों का कब्जा पाया गया। फ्रिज और परिसर के कई हिस्सों में काला फफूंद (ब्लैक फंगस) भी लगा मिला। इससे खाद्य पदार्थों के सुरक्षित रख-रखाव पर गंभीर सवाल खड़े हुए। टीम को परिसर में कई स्थानों पर अत्यधिक गंदगी मिली। कच्चा माल भी साफ-सफाई का ध्यान रखे बिना गंदगी के बीच बेतरतीब ढंग से रखा हुआ पाया गया।फर्श पर भरा मिला गंदा पानी निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के फर्श पर कई जगह गंदा पानी भरा मिला। किचन की स्थिति भीसंतोषजनक नहीं पाई गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि रसोईघर में भारी गंदगी थी और तैयार खाद्य पदार्थों को खुले में रखा गया था। इससे खाद्य पदार्थों के दूषित होने की आशंका बनी हुई थी।टीम ने खाद्य पदार्थों की तैयारी के दौरान सिंथेटिक कलर के अत्यधिक इस्तेमाल की भी बात कही है। अधिकारियों ने मौके पर खाद्य पदार्थों के रखरखाव, स्वच्छता, कच्चे माल की स्थिति तथा निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण किया और पाई गई कमियों को गंभीरता से लिया।

गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि, 3 सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हो रही बढ़ोत्तरी, चेतावनी बिंदु से

वाराणसी, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। गंगा के जलस्तर में एक बार फिर तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ओर से शनिवार की दोपहर 12 बजे जारी रीडिंग के अनुसार वाराणसी के राजघाट गेज साइट पर गंगा का जलस्तर 68.16 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर फिलहाल तीन सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है, जिससे नदी किनारे रहने वाले लोगों और प्रशासन की चिंता बढ़ गई है।

सीडब्ल्यूसी के आंकड़ों के मुताबिक राजघाट पर गंगा का चेतावनी स्तर 70.262 मीटर निर्धारित है, जबकि खतरे का निशान 71.262 मीटर है। शनिवार दोपहर दर्ज जलस्तर खतरे के निशान से करीब 3.10 मीटर नीचे है। वहीं चेतावनी बिंदु से यह करीब 2.10 मीटर नीचे है। हालांकि जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

प्रयागराज में फिर बढ़ा गंगा-यमुना का जलस्तर, 24 घंटे में एक मीटर तक की बढ़ोतरी

प्रयागराज, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के जनपद प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में एक बार फिर तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जिला प्रशासन की ओर से शनिवार सुबह आठ बजे जारी जलस्तर की रिपोर्ट के अनुसार, यमुना के नैनी और गंगा के छतनाग में पिछले 24 घंटे के दौरान करीब एक मीटर की वृद्धि हुई है। हालांकि, अभी सभी तटबंध सुरक्षित बताए गए हैं।

जिला प्रशासन के अनुसार यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 80.68 मीटर दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में इसमें 103 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान क्षेत्र में 60 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। गंगा नदी का जलस्तर फाफामऊ में 80.69 मीटर रहा। यहां पिछले 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई और 16.8 मिलीमीटर बारिश हुई। इसी तरह छतनाग में गंगा का जलस्तर 80.16 मीटर दर्ज किया गया। यहां 24 घंटे में जलस्तर 98 सेंटीमीटर बढ़ा है। छतनाग क्षेत्र में 20.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं, एसटीपी बक्सी बांध क्षेत्र में जलस्तर 80.86 मीटर दर्ज किया गया, जिसमें पिछले 24 घंटे में 96 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। जिला प्रशासन के मुताबिक गंगा और यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी पर लगातार नजर रखी जा रही है। संबंधित विभागों और अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश हैं। प्रशासन ने बताया कि जिले के सभी तटबंध फिलहाल सुरक्षित हैं।

बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे डीएम-एसपी

ग्रामीणों से संवाद कर जानी समस्याएं

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा एवं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने शनिवार को बिलग्राम तहसील के बाढ़ प्रभावित वाण एवं जरैला गांवों का निरीक्षण कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर बाढ़ से उत्पन्न समस्याओं और उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से खाद्य सामग्री, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं और आवागमन की स्थिति के बारे में जानकारी ली। पशुपालकों से पशुओं के लिए भूसा एवं चारे की उपलब्धता भी पूछी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री समय से पहुंचे और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता में किसी प्रकार की कमी न होने पाए।

इस दौरान डीएम-एसपी ने प्रभावित लोगों को राहत सामग्री एवं आवश्यक दवाओं का वितरण भी किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ की स्थिति पर प्रशासन की लगातार नजर है। राहत एवं बचाव कार्य पूरी तत्परता से संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को गांवों में नियमित भ्रमण कर समस्याओं का तत्काल समाधान कराने तथा जरूरत के अनुसार राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लेते हुए पुलिस अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता बनाए रखने और जरूरत पड़ने पर ग्रामीणों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी बिलग्राम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बाइक पिकअप में घुसी

18 वर्षीय युवक की मौके पर मौत

वेबवार्ता/हरदोई। शनिवार को पाली क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। किर्तियापुर पुलिया के पास अनियंत्रित बाइक सामने से मोड़ रहे पिकअप वाहन के पिछले हिस्से में जा घुसी। हादसे में बाइक सवार 18 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके चचेरे भाई और बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

सवायजपुर थाना क्षेत्र के जैतीपुर गांव निवासी परमेश्वर दीन उर्फ अजीत (18) पुत्र रामासरे शनिवार को पाली कस्बे में मीट खरीदने आया था। उसके साथ बाइक पर चचेरा भाई महावीर और बहनोई हाकिम निवासी ग्राम अरुआ खानपुर, शाहजहांपुर भी सवार थे। मीट खरीदने के बाद तीनों बाइक से वापस गांव लौट रहे थे।

बताया जाता है कि कितियापुर पुलिया के पास पिकअप चालक वाहन को मोड़ रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही बाइक

चचेरे भाई और बहनोई गंभीर घायल, हादसे के बाद पिकअप चालक फरार

अनियंत्रित होकर पिकअप के डाले में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार परमेश्वर दीन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं महावीर और हाकिम गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने घायलों को तत्काल पीएचसी पाली पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सूचना मिलते ही पाली थाने के उपनिरीक्षक अतुल शर्मा व घनश्याम बिंद पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस फरार पिकअप चालक की तलाश के साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

बैंक डाकघरों में पुलिस की सघन चेकिंग, साइबर फ्रॉड से बचाव को लेकर लोगों को किया जागरूक

वेब वार्ता, बलरामपुर

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर मार्तण्ड प्रकाश सिंह के निदेर्शानुसार बैंकों / डाकघर /जनसेवा केन्द्र व अन्य वित्तीय संस्थानों की सुरक्षार्थ जनपद बलरामपुर के समस्त प्रभारी निरीक्षक / थानाध्यक्ष / चौकी प्रभारी व मिशन शक्ति टीम द्वारा बैंकों / डाकघर व अन्य वित्तीय संस्थानों में चेकिंग अभियान चलाया गया । जिसके क्रम में जनपद बलरामपुर के समस्त थानों की पुलिस द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्रों में पड़ने वाले बैंकों/ डाकघर के आस पास तथा बैंक के अन्दर सघन चेकिंग की गई। इस दौरान बैंक अधिकारियों/कर्मचारियों से वार्ता कर सुरक्षा के सभी उपकरण सीसीटीवी कैमरा, फायर अलार्म आदि को किया चेक। संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों को चेक किया गया तथा बैंक में मौजूद लोगों को सुरक्षा के दृष्टिगत जागरुक किया गया एवं बैंक ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को सतर्क रहते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस दौरान सभी को साइबर अपराध से बचाव के बारे में भी जानकारी दी गई।

नेपाल में आई बाढ़ के कारण गंडक/नारायणी नदी क्षेत्र से प्राप्त 06 अज्ञात शवों के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्रवाई जारी

कुशीनगर 29 अगस्त। कुशीनगर जिले के अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा ने बताया कि नेपाल में आई बाढ़ के कारण जनपद कुशीनगर में गंडक/नारायणी नदी के क्षेत्र से अब तक कुल 06 अज्ञात शव प्राप्त हुए हैं। वर्तमान में इन शवों की पहचान पूर्ण रूप से नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन कुशीनगर द्वारा सभी शवों को ससम्मान जिला अस्पताल, कुशीनगर के डीप फ्रीजर में सुरक्षित रखा गया है, ताकि पहचान एवं आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण होने तक शवों का सुरक्षित संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। शवों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा नेपाल के सीमावर्ती संबंधित जिला प्रशासन एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय एवं वार्ता की जा रही है। साथ ही, शवों की पहचान एवं उनके परिजनों की जानकारी प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

ईपीएफओ में ईईसी-2026 हुआ लागू

वेब वार्ता, कानपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा कर्मचारी नामांकन अभियान ,2026 को प्रभावी रूप से लागू करने तथा सामाजिक सुरक्षा के दायरे से छूटे पात्र कर्मचारियों को पुनः जोड़ने के उद्देश्य से क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-क शाहिद इकबाल द्वारा प्रतिष्ठानों के कर्मचारी रेमिटेंस एवं चालानों की स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पूर्व की तुलना में कई प्रतिष्ठानों में चालानों में दर्शाए गए कर्मचारियों की संख्या में कमी पाए जाने के तथ्य सामने आए। इस पर शाहिद इकबाल द्वारा संबंधित प्रतिष्ठानों की स्थिति की समीक्षा कर कर्मचारी कवरेज में आई कमी को दूर करने तथा छूटे हुए पात्र कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

ईपीएफओ क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर द्वारा 1,160 प्रतिष्ठानों को पत्र जारी किए गए हैं। इन पत्रों के माध्यम से प्रतिष्ठानों को अपने वर्तमान कर्मचारी रेमिटेंस एवं चालानों की समीक्षा करने तथा यदि कोई पात्र कर्मचारी ईपीएफओ कवरेज से छूट गया है और वर्तमान में कार्यरत है, तो उसे सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने हेतु निर्देशित एवं जागरूक किया गया है। ईपीएफओ द्वारा जारी किए गया पत्र विशेष रूप से विभिन्न औद्योगिक क्लस्टरों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित प्रतिष्ठानों को भेजे गए हैं। इनमें उन्नाव का लेदर क्लस्टर, पनकी-दादानगर, रूमा, जाजमऊ, कानपुर देहात, फतेहपुर औद्योगिक क्षेत्र, झांसी सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्र एवं क्लस्टर शामिल हैं। इसका उद्देश्य प्रतिष्ठानों को उनके वर्तमान कर्मचारी रेमिटेंस की समीक्षा करने तथा यदि कोई पात्र कर्मचारी कवरेज से छूट गया है तो उसे सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों एवं शर्तों के अधीन कर्मचारी अंशदान से संबंधित विशेष छूट का लाभ उपलब्ध है। ऐसे मामलों में निर्धारित शर्तों के अनुसार कर्मचारी अंशदान की वसूली से छूट का प्रावधान है। नियोक्ता को नियमानुसार अपना अंशदान तथा देय ब्याज एवं प्रशासनिक प्रभार 100 का भुगतान करना होगा। इस प्रकार ईईसी-2026 प्रतिष्ठानों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसके माध्यम से वे अपने यहाँ कार्यरत ऐसे कर्मचारियों को, जो पूर्व में किसी कारणवश ईपीएफओ के दायरे से छूट गए थे, सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था से जोड़ सकते हैं। इससे कर्मचारी कवरेज में आई कमी को दूर करने तथा अधिक से अधिक पात्र कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

प्रिंसिपल एम्प्लॉयर भी निभाएं महत्वपूर्ण भूमिका

ईपीएफओ क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर द्वारा प्रिंसिपल एम्प्लॉयर को भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विशेष रूप से नगर निगम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा अन्य प्रिंसिपल एम्प्लॉयर, जिनके प्रतिष्ठानों अथवा संस्थानों में ठेकेदारों के माध्यम से कर्मचारी कार्यरत हैं, यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि उनके अधीन कार्यरत कोई भी पात्र कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा के दायरे से बाहर न रहे। प्रिंसिपल एम्प्लॉयर अपने यहाँ कार्यरत ठेकेदारों के माध्यम से नियुक्त कर्मचारियों की स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं तथा यदि कोई पात्र कर्मचारी छूट गया है तो ईईसी-2026 के माध्यम से उसका नामांकन सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई कर सकते हैं ईपीएफओ क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर की इस पहल का उद्देश्य प्रतिष्ठानों में कर्मचारी कवरेज को बेहतर बनाना, स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहित करना तथा ह्यकोई भी पात्र कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा से वंचित न रहेह्ल के उद्देश्य को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाना है।

31 वर्षों से निभा रहे भाई-बहन के स्नेह का रिश्ता

नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने बहनों से बंधवाई राखी

कुशीनगर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर पडरौना नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने अपने मोहल्ले साहबगंज तुरहा टोली में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 31वें वर्ष बहनों से राखी बंधवाकर भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह की परंपरा को आगे बढ़ाया।

इस अवसर पर छोटी-छोटी बच्चियों से लेकर बड़ी बहनों तक ने नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल की कलाई पर राखी बांधी और उन्हें अपना स्नेह व आशीर्वाद दिया। बहनों के स्नेह और आत्मीयता से पूरा माहौल भावुक एवं उल्लासपूर्ण रहा। नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि 31 वर्षों से रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों से राखी बंधवाना उनके लिए केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि भावनाओं और आत्मीय रिश्तों का पर्व है। बहनों का प्रेम, स्नेह और आशीर्वाद जीवन की सबसे अनमोल पूंजी है। छोटी बच्चियों से लेकर बड़ी बहनों तक का अपनापन उन्हें हमेशा नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है।

विशेष उत्साह देखने को मिला

उन्होंने सभी बहनों के सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी बहनों के जीवन में सदैव खुशियां बनी रहें और भाई-बहन का यह पवित्र रिश्ता इसी तरह प्रेम एवं विश्वास के साथ मजबूत होता रहे। इस दौरान मोहल्ले की बहनों एवं स्थानीय नागरिकों में रक्षाबंधन को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

कुशीनगर में गंडक में पानी का डिस्चार्ज बढने से छितौनी बांध को खतरा

कुशीनगर 29 अगस्त।कुशीनगर में नेपाल में आई बाढ़ के वक्त गंडक में डिस्चार्ज बढ़कर करीब डेढ़ लाख क्यूसेक पहुंच गया था। अगले दिन गुरुवार को डिस्चार्ज घटने से खड्डा रेता क्षेत्र में बाढ़ का खतरा टल गया था। शुक्रवार को नदी का डिस्चार्ज फिर बढ़ने लगा। गुरुवार के 88 हजार क्यूसेक के सापेक्ष शुक्रवार को डिस्चार्ज बढ़कर 1 लाख 2 हजार क्यूसेक हो गया। इसका असर यह है कि नदी छितौनी बांध के भेडियारी ठोकर नम्बर तीन के समीप दबाव बना रही है। बांध के संवेदनशील प्वाइंट्स पर खतरा बढ़ गया है। हालांकि, बाढ़ खंड विभाग का दावा है कि इतने डिस्चार्ज से बाढ़ का खतरा नहीं है।

बाढ़ में बहकर तीन और लाशें आईं

नेपाल से बाढ़ में बहकर आईं तीन और लाशें शुक्रवार को गंडक नदी से बरामद हुईं। कुशीनगर जिले के खड्डा इलाके में दो महिलाओं और एक पुरुष का शव पाया गया। कुल अब तक छ शवों को प्रशासन ने एसडीआरएफ की मदद से शवों को निकलवाकर सुरक्षित मोर्चरी में रखवा दिया है। गुरुवार को भी तीन लाशें मिली थीं, जिन्हें मोर्चरी में रखवाया गया है। सभी छह शवों के बारे में नेपाल प्रशासन को जानकारी दे दी गई है। जिले की मोर्चरी के फ्रीजर में छह लाशें रखे जाने की ही जगह है।

नेपाल से नदी में लकड़ी के साथ अन्य सामान बहकर आने से सिलसिला अभी थमा नहीं है। कुशीनगर जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की थी कि तेज बहाव वाली नदी में बह रहे सामानों के चक्कर में न जाएं। पुलिस और होमगार्ड जवानों को लगाकर ऐसे लोगों को सख्ती से रोकने के आदेश दिए गए थे ताकि किसी की जान को खतरा न हो। शुक्रवार को खड्डा व छितौनी इलाके में इस अपील का कोई असर नहीं दिखा। तटबंध के आसपास गांव के लोग नदी में कह रही लकड़ियों और अन्य सामानों को पकड़ने के लिए अब भी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

महत्वपूर्ण ख़बर

नेपाल ने एक ही दिन में बदला अपना फैसला, अब लेगा अंतर्राष्ट्रीय मदद

- काठमांडू। नेपाल में भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई भीषण बाढ़ के बाद अंतर्राष्ट्रीय मदद लेने को लेकर सरकार ने महज एक दिन में अपना रुख बदल दिया। बाढ़ के शुरूआती दौर में नेपाल ने विदेशी सर्च एंड रेस्क्यू टीमों की पेशकश को यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि उसकी अपनी सुरक्षा एजेंसियां खोज और बचाव अभियान चलाने में सक्षम हैं। लेकिन बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने और विदेशी नागरिकों के भी प्रभावित होने के बीच अब नेपाल ने सीमित अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद लेने की मंजूरी दे दी है।

नेपाल की मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इस फैसले के पीछे उन देशों का दबाव भी माना जा रहा है, जिनके नागरिक आपदा के बाद से लापता हैं। शुक्रवार को नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने कहा था कि दूसरे देशों की ओर से मदद की पेशकश स्वाभाविक है, लेकिन फिलहाल नेपाल को ऐसी सहायता की जरूरत नहीं है।

पाकिस्तान ने फिर लगाई गुहार, भारत से सिंधु नदी का पानी दिलवा दो

- इस्लामाबाद। सिंधु जल संधि खत्म नहीं होने से पाकिस्तान पानी के बगैर तड़प रहा है। उसकी आवाम बूंद-बूंद को तरस रही है। पाकिस्तान बार-बार सिंधु जल संधि बहाल करने की गुहार लगा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत के साथ सिंधु जल समझौते को लेकर पाकिस्तान एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने गुहार लगाता नजर आया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अमेरिका में कहा कि सिंधु नदी प्रणाली पाकिस्तान के लिए जीवनरेखा है।

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों के लिए डब्ल्यूएचओ ने जारी की 150,000 अमेरिकी डॉलर की मदद

यह मदद करीब 10,000 लोगों को तीन महीने तक जरुरी सामग्री प्रदान कर सकती है

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) नेपाल में आई बाढ़ को लेकर मदद का दायरा बढ़ा रहा है, जिसके तहत 150,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की गई है।

जरुरी आकलन जारी रहने के साथ-साथ अतिरिक्त संसाधन जारी किए जाने की उम्मीद है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि आपदा शुरू होने के कुछ ही घंटों के अंदर डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन आपूर्ति भेजी, जिसमें अंतर-एजेंसी आपातकालीन स्वास्थ्य आपूर्ति भी शामिल थी जो करीब 10,000 लोगों को 3 महीने तक जरुरी सामग्री प्रदान कर सकती है।

इसके अलावा इसमें टेंट 10,000 मास्क, दस्ताने और हैंड सैनिटाइजर भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि हमारी तत्काल प्राथमिकता प्रभावित समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का समर्थन करना और बाधित स्वास्थ्य सेवाओं को बहाल करना है। इसके अतिरिक्त डब्ल्यूएचओ नेपाली सरकार के नेतृत्व में जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए साझेदारों के बीच महत्वपूर्ण

समन्वय, निगरानी और तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित समुदायों के सामने भारी चुनौतियां हैं, ऐसे में सभी साझेदारों का निरंतर समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

डब्ल्यूएचओ इस कठिन समय में नेपाल सरकार और जनता के साथ खड़ा है और देश की बदलती जरूरतों के आधार पर सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है। इससे पहले भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि 10 टन से ज्यादा मानवीय सहायता सामग्री और डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों की टीम लेकर तीसरी विशेष उड़ान नई दिल्ली से काठमांडू के लिए रवाना हुई है। भारत बुधवार को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद पड़ोसी हिमालयी देश नेपाल की मदद के लिए अपने प्रयास तेज कर रहा है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा था कि 10 टन मानवीय सहायता सामग्री लेकर तीसरी उड़ान काठमांडू के लिए रवाना हुआ। इस सहायता सामग्री में पोर्टेबल जनरेटर सेट, डिग्निटी किट, खाद्य पैकेट और जल शोधन की गोलियां शामिल हैं। 11 सदस्यीय डॉक्टरों, पैरामेडिकल कर्मियों की टीम और सुरंग बचाव अभियान के लिए एक रेकी टीम भी उड़ान में सवार है। भारत नेपाल के चल रहे राहत एवं बचाव प्रयासों में अपना सहयोग जारी रखेगा।

आईआईटी में 65 छात्रों ने खुदकुशी की, यह है हमारे देश के सबसे अच्छे संस्थानों के हाल

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपके ने कहा है कि देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह हो चुकी है। आईआईटी दिल्ली के छात्र ऋषिकेश कुमार की खुदकुशी पर दुख जताते हुए दीपके ने कहा कि देश में ऐसे माहौल की जरूरत है जहां छात्रों को डर ना लगे और उन्हें पूरा समर्थन मिले। उन्होंने कहा कि देश के छात्रों में भविष्य को लेकर बहुत डर भरा है। उसे दूर करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आईआईटी जैसे संस्थानों की गिनती देश के सबसे अच्छे शैक्षणिक संस्थानों में होती है। पिछले साल में

आईआईटी में 65 छात्रों ने खुदकुशी की है। यह हालत हमारे सबसे अच्छे संस्थान की है। जरूरत है कि छात्रों को अलग-थलग ना छोड़ा जाए बल्कि उनका समर्थन किया जाए और उनकी समस्याओं को पहचाना जाए, लेकिन यहां होता यही है कि छात्रों को संघर्ष करने के लिए अकेला छोड़ दिया जाता है। बता दें ऋषिकेश की 22 अगस्त को लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि कोई भी सुइसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में उनकी मौत के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। आईआईटी दिल्ली ने इसकी जांच करने के लिए एक्सटरनल इन्क्वायरी कमेटी बनाने का फैसला किया है।

अभिजीत दीपके ने सुभाष चंद्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि इनके 22 हजार करोड़ के कर्ज को शेटल करके 6 करोड़ कर दिया गया है। क्या किसी आम आदमी को इस तरह की राहत मिल सकती है। अगर आपके पास 50 लाख का होम लोन है तो क्या बैंक इसे 50 हजार लेकर माफ कर सकता है। आम आदमी को ब्याज भरना पड़ता है और इन्हें मूलधन भी नहीं देना होता है। दीपके ने कहा कि हमें एजुकेशन लोन पर भी ब्याज देना पड़ता है। ये जो 22 हजार करोड़ का कर्ज शेटल किया गया है ये कहां से आए होंगे। ये आपकी जेब से आए हैं। हमारे टैक्स से आए हैं।

अचानक चेन्नई सेंट्रल जेल पहुंचे सीएम विजय को देखने पहुंच गई भीड़

थाने में एसएचओ को बैठाकर की पूछताछ, औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय अचानक चेन्नई की पुझल सेंट्रल जेल और उसके बाद पुझल पुलिस स्टेशन पहुंचे। मुख्यमंत्री के इस औचक दौरे से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। शुक्रवार को विजय के काफिले को देखने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग भी जमा हो गए। जेल के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री सीधे एम-3 पुझल पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से थाने के कामकाज और कानून-व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली।

पुझल सेंट्रल जेल देश के बड़े कारागार परिसरों में शामिल है। मुख्यमंत्री विजय ने यहां सबसे पहले महिला जेल परिसर का निरीक्षण किया। इसके बाद विचाराधीन और सजायाफ्ता कैदियों के वार्डों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कैदियों को उपलब्ध कराई जा रही बुनियादी सुविधाओं पर अधिकारियों से जानकारी

ली। मुख्यमंत्री विजय जेल की रसोई में भी पहुंचे और कैदियों के लिए तैयार किए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता तथा साफ-सफाई की जांच की। इसके बाद उन्होंने जेल अस्पताल, क्वारंटाइन क्षेत्र और नशा मुक्ति पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सा सुविधाओं और कैदियों के स्वास्थ्य से जुड़े इंतजामों की जानकारी अधिकारियों से ली।

जेल परिसर में संचालित कक्षाओं और पुस्तकालय का भी मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कैदियों के लिए पुस्तकालय में पर्याप्त संख्या में किताबें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनमें पढ़ने की आदत विकसित हो। उन्होंने कैदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाए जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों की स्थिति भी देखी।

मुख्यमंत्री विजय ने जेल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से कड़े सवाल किए। उन्होंने रिश्वतखोरी, अवैध मोबाइल फोन के इस्तेमाल और नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी ली। इसके अलावा हिरासत में होने वाली मौतों और कैदियों की आपसी सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों की भी समीक्षा की। जेल के बाद मुख्यमंत्री पुझल पुलिस स्टेशन पहुंचे। वहां उन्होंने पुलिस इंस्पेक्टर से थाने की कार्यप्रणाली और इलाके में कानून-व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सब-इंस्पेक्टर कक्ष, कंप्यूटर रूम और लॉक-अप का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि शिकायत लेकर थाने पहुंचने वाले आम नागरिकों को जरूरी बुनियादी सुविधाएं मिलें और उनके साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार या अनावश्यक परेशानी न हो।

शुद्धिकरण हवन विवादः राहुल बोले- खड़गे को न्याय मिले, दोषियों पर दर्ज हो केस

बोले- देश में संविधान और आरएसएस की विचारधारा के बीच संघर्ष

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी सभा के बाद कथित रूप से कराए गए शुद्धिकरण हवन को लेकर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधा है। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने इस मुद्दे को दलितों के साथ होने वाले भेदभाव और छुआछूत से जोड़ते हुए कार्रवाई की मांग की।

राहुल गांधी ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक जनसभा को संबोधित किया था। इसके बाद उसी स्थान पर कथित रूप से शुद्धिकरण कराया गया। उन्होंने कहा कि यह घटना गंभीर है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कानून के तहत एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मामले में हस्तक्षेप कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

छुआछूत अपराध है, खड़गे को मिले न्याय

राहुल गांधी ने कहा कि देश में आज भी दलितों के साथ भेदभाव और अत्याचार की घटनाएं सामने आती हैं। उन्होंने दावा किया कि कई स्थानों पर दलितों को मंदिरों, सार्वजनिक सुविधाओं और सामाजिक आयोजनों में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। राहुल गांधी ने कहा कि छुआछूत कानूनन

अपराध है और इस मामले में कांग्रेस अध्यक्ष को न्याय मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दलित समुदाय के लोगों को आज भी सामाजिक भेदभाव झेलना पड़ता है। राहुल ने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर बच्चों से सफाई कराई जाती है, कुओं से पानी लेने से रोका जाता है और दुकानों पर अलग बर्तनों का इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ क्षेत्रों में दलित दूल्हों को घोड़े पर चढ़ने को लेकर विरोध और हिंसा का सामना करना पड़ता है।

देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई

राहुल गांधी ने कहा कि देश में दो विचारधाराओं के बीच संघर्ष चल रहा है। उनके अनुसार, एक ओर भारतीय संविधान की समानता और अधिकारों की विचारधारा है, जबकि दूसरी ओर भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दलितों के आगे बढ़ने और सामाजिक रूप से मजबूत होने पर उनके खिलाफ भेदभाव बढ़ जाता है। राहुल गांधी ने कहा कि हल्द्वानी की घटना को केवल एक स्थानीय घटना के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे सामाजिक सोच से जुड़े व्यापक मुद्दे के रूप में समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मांग कोई असाधारण नहीं है और कानून के अनुसार मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण का वीडियो भी दिखाया। कांग्रेस ने मामले में जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि दलितों के सम्मान और समानता के अधिकार से जुड़े मुद्दों पर सरकार को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए।

नेपाल में फंसे महाराष्ट्र के 106 तीर्थयात्री बिहार प्रशासन की पहल से सुरक्षित लौटे

सीतामढ़ी। बिहार सरकार और सीतामढ़ी जिला प्रशासन ने इंसानियत की मिसाल पेश की। नेपाल में अचानक आई फ्लैश फ्लड के कारण महाराष्ट्र के 106 तीर्थयात्री वहां फंस गए थे। ये सभी पशुपतिनाथ और मुक्तिनाथ धाम के दर्शन करने गए थे। सीतामढ़ी प्रशासन की पहल के बाद ये सुरक्षित भारत लौटे और रक्षाबंधन पर सीतामढ़ी प्रशासन के अधिकारियों को रांखी बांधी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हालात बिगड़ने पर तीर्थयात्रियों ने महाराष्ट्र सरकार से मदद मांगी थी। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने बिहार सरकार से संपर्क किया। सीएम सम्राट चौधरी के निर्देश पर सीतामढ़ी जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आया। जिला प्रशासन ने नेपाल प्रशासन से तालमेल किया। सभी 106 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया। भारत पहुंचने के बाद प्रशासन ने उनके रहने, खाने-पीने और इलाज का पूरा इंतजाम किया।

महिला तीर्थयात्रियों ने सीतामढ़ी जिला प्रशासन के अधिकारियों को बांधी राखी

रिपोर्ट के मुताबिक इस रेस्क्यू ऑपरेशन का सबसे भावुक पल रक्षाबंधन के दिन देखने को मिला। महाराष्ट्र से आई महिला तीर्थयात्रियों ने सीतामढ़ी जिला प्रशासन के अधिकारियों को राखी बांधी। संकट के समय में मदद मिलने पर तीर्थयात्रियों की आंखों में खुशी के आंसू नजर आए। तीर्थयात्रियों ने बिहार सरकार, मुख्यमंत्री और सीतामढ़ी प्रशासन का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मुसीबत के समय बिहार ने जिस तरह उनका हाथ थामा। उसे वे जिंदगी भर नहीं भूलेंगे। नेपाल से शुरू हुआ संकट का यह सफर रक्षाबंधन के दिन भाईचारे की एक अटूट मिसाल बन गया।

देश के कई हिस्सों में अंडे के दाम करीब 35 से 40 फीसदी तक बढ़े

अंडे की बढ़ती कीमतों के पीछे मक्के की महंगाई बनी बड़ी वजह

नई दिल्ली। अंडा खाने के शौकीन लोगों को पिछले एक साल में बढ़ती कीमतों ने परेशान किया है। देश के कई हिस्सों में अंडे के दाम करीब 35 से 40 फीसदी तक बढ़ गए हैं। पोल्ट्री फार्म से निकलने वाला एक अंडा करीब सात रुपए का है, जबकि खुदरा बाजार में इसकी कीमत साढ़े आठ से नौ रुपए तक पहुंच गई है। अंडे की बढ़ती कीमतों के पीछे मक्के की महंगाई एक बड़ी वजह बनकर सामने आई है और इसका संबंध सरकार के एथेनॉल मिश्रण अभियान से जुड़ रहा है।

पोल्ट्री उद्योग में मुर्गियों के चारे पर उत्पादन लागत का करीब 65 से 70 फीसदी हिस्सा खर्च होता है। इस चारे में मक्का प्रमुख सामग्री है। ऐसे में मक्के की कीमत बढ़ते ही पोल्ट्री फीड महंगा हो जाता है और इसका सीधा असर अंडे और चिकन की कीमतों पर पड़ता है। करीब तीन साल पहले मक्का करीब 1400 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास बिक रहा था, जो अब बढ़कर करीब 2,650 रुपए प्रति क्विंटल हो गया है। पिछले पांच महीनों में ही इसके भाव में करीब 20 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

मक्का महंगा होने की प्रमुख वजहों में एथेनॉल उद्योग की बढ़ती मांग है। पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने के अभियान के तहत अब मक्का भी एथेनॉल उत्पादन का अहम कच्चा माल बन गया है। संसद में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार देश में सालाना करीब 4.34 करोड़ टन मक्के का उत्पादन होता है। इसमें से लगभग 37 फीसदी हिस्सा एथेनॉल निर्माण में इस्तेमाल हो रहा है। दूसरी ओर पोल्ट्री उद्योग भी मक्के का बड़ा उपभोक्ता है। ऐसे में एथेनॉल और पोल्ट्री, दोनों क्षेत्रों की बढ़ती मांग के कारण घरेलू बाजार में मक्के की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है।

अंडे की महंगाई के लिए केवल एथेनॉल को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। गर्मी का असर, मौसम की प्रतिकूलता, मुर्गियों में बीमारियां, सोयाबीन और अन्य चारा सामग्री की बढ़ती कीमतें भी उत्पादन लागत बढ़ाती हैं। मांग और आपूर्ति की स्थिति भी अंडे के दाम तय करने में अहम भूमिका निभाती है। मक्के की बढ़ती घरेलू खपत के कारण भारत को अब आयात का सहारा भी लेना पड़ रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में देश ने रिकॉर्ड करीब 10 लाख टन मक्का आयात किया। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मक्का उत्पादन मांग के अनुरूप नहीं बढ़ा, तो आने वाले समय में अंडे की कीमतों पर दबाव और बढ़ सकता है।

कनाडा की तरह भारत क्यों नहीं ले पा रहा ट्रंप के खिलाफ सख्त रुख

नई दिल्ली। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव की रणनीति को न केवल खुलेआम खारिज किया है, बल्कि उसी दृढ़ता से जवाब दिया है, जो उनके पूर्ववर्ती जस्टिन ट्रूडो की नीति से बिलकुल अलग है। कार्नी ने ट्रंप द्वारा टैरिफ को हथियार बनाने के खिलाफ एक स्पष्ट रेड लाइन खींची है। कनाडा की अर्थव्यवस्था अपने शक्तिशाली पड़ोसी अमेरिका से गहराई से जुड़ी होने के बावजूद, कार्नी ने ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ के जवाब में डॉलर के बदले डॉलर वाली जवाबी कार्रवाई की कसम खाई है। कार्नी ने अमेरिका की उन मांगों को अस्वीकार्य बताया है, जिसमें कनाडा की दूसरे देशों से व्यापार समझौते करने की क्षमता को सीमित करना शामिल है, इस मांग को वह संप्रभुता पर हमला मानते हैं। उनके अनुसार, नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था कमजोर पड़ रही है, और शक्तिशाली देश वहीं करते हैं जो कर सकते हैं, कमजोरों को सहना पड़ रहा है।

विकासशील देशों पर तेजी से बदलाव का दबाव क्यों बनाया जा रहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत ने विकसित और विकासशील देशों के बीच स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने को लेकर मौजूद असमानता पर सवाल उठाते हुए अमीर देशों को आईना दिखाया है। उन्होंने कहा कि जिन औद्योगिक देशों ने कोयले और तेल के सहारे अपनी अर्थव्यवस्था और ताकत खड़ी करने में करीब दो सदियां लगाईं, वे अब विकासशील देशों से कुछ ही दशकों में नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

सीजेआई ने सवाल उठाया कि जब विकसित देशों को अपने विकास और ऊर्जा परिवर्तन के लिए इतना लंबा समय मिला, तो विकासशील देशों पर इतनी तेजी से बदलाव का दबाव क्यों बनाया जा रहा है। सीजेआई सूर्यकांत ने शुक्रवार को लंदन स्थित कॉमनवेल्थ सचिवालय में 56 देशों के साझा मंच पर जलवायु न्याय से जुड़े नीति संवाद को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जो देश अभी औद्योगीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, उनसे तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने की अपेक्षा की जा रही है। ऐसा नहीं कर पाने पर कई बार उनकी आलोचना भी होती है, जबकि विकसित देशों ने लंबे समय तक कोयले और तेल जैसे जीवाश्म ईंधनों के सहारे अपनी आर्थिक और औद्योगिक ताकत खड़ी की है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ना जरूरी है, लेकिन यह बदलाव निष्पक्षता और साझा जिम्मेदारी के सिद्धांतों के अनुरूप होना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के लिए तांबा, कोबाल्ट और लिथियम जैसे अहम खनिजों की जरुरत होती है, जिनके खनन का पर्यावरण और स्थानीय समुदायों पर असर पड़ सकता है। ऐसे में विकासशील देशों की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों को नजरअंदाज कर उन्हें अवास्तविक गति से ऊर्जा परिवर्तन के लिए मजबूर करना नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और विकास को हमेशा एक-दूसरे का विरोधी नहीं माना जाना चाहिए। अदालतों को ऐसे समाधान तलाशने चाहिए, जिनसे पर्यावरण और पारिस्थितिकी की सुरक्षा के साथ समाज की वैध विकास संबंधी जरूरतें भी पूरी हो सकें। उन्होंने कहा कि कॉमनवेल्थ देशों की अदालतें जलवायु से जुड़े मामलों में एक-दूसरे के अनुभवों और उपयोगी कानूनी उपायों से सीख सकती हैं, हालांकि उन्हें अपने संवैधानिक, सामाजिक और पर्यावरणीय हालात के अनुरूप ढालना जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण को तराजू के दो विरोधी पलड़ों की तरह देखने के बजाय न्यायिक रचनात्मकता के माध्यम से ऐसा संतुलित रास्ता निकालना चाहिए, जिससे दोनों उद्देश्यों को एक साथ आगे बढ़ाया जा सके।

सतना और चित्रकूट में आफत की बारिश

शरभंग नदी के उफान से मुंबई-हावड़ा रेलमार्ग पर 12 ट्रेनें हुईं प्रभावित

सतना/चित्रकूट। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच शरभंग नदी के उफान ने शनिवार को मुंबई-हावड़ा रेलमार्ग पर रेल यातायात की रफ्तार थाम दी। चितहरा स्टेशन से खुटहा स्टेशन तक रेलवे ट्रैक पर पानी भर जाने और तेज बहाव की स्थिति ने रेलवे के सामने सुरक्षा का बड़ा संकट खड़ा कर दिया। हालात को देखते हुए करीब चार घंटे तक इस रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा और कई ट्रेनों को रास्ते में अलग-अलग स्टेशनों पर रोकना पड़ा। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, पानी का बहाव कम होने के बाद ट्रेनों का

संचालन दोबारा शुरू कराया गया, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से कॉशन ऑर्डर लागू करते हुए ट्रेनों को महज 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से निकाला जा रहा है।

ये ट्रेनें हुईं प्रभावित

उपलब्ध सूची के अनुसार, प्रभावित ट्रेनों के नंबर हैं, 19496, 12428, 13201, 11103, 09344, 22687, 15017, 11061, 11015, 11274 और 15160। इनमें 12428 रीवा एक्सप्रेस, 13201 राजेंद्रनगर-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, 15017 काशी एक्सप्रेस, 11061 लोकमान्य तिलक-जयनगर एक्सप्रेस, 11015 लोकमान्य तिलक-सहरसा अमृत भारत, 11274 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस और 15160 सारनाथ एक्सप्रेस एवं गोदान एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनें शामिल हैं। संबंधित ट्रेनें मझगवां-चितहरा रेलखंड से होकर गुजरती हैं।

यात्रियों की बढ़ी परेशानी

अचानक रेल परिचालन थमने से मुंबई, जबलपुर, सतना, मानिकपुर और प्रयागराज की ओर जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश और नदी के उफान के बीच ट्रैक पर पानी आने से रेलवे को पहले यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी पड़ी।

मध्य प्रदेश में जल्द होगी 10 हजार शिक्षकों की भर्ती

संवरेंगे 700 जर्जर स्कूल, मोहन सरकार का बड़ा फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्कूली शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के बाद राज्य में जल्द ही लगभग 10,000 नए शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इसके साथ ही प्रदेश के जीर्ण-शीर्ण स्कूलों के पुनर्निर्माण और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का भी खाका तैयार कर लिया गया है।

लगभग 10,000 पदों पर होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान नई शिक्षक भर्ती और रिक्त पदों की संख्या को लेकर अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है। वर्तमान में चल रही शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया और मार्च 2027 तक सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों के पदों का आकलन किया जा रहा है। प्रमोशन और रिटायरमेंट से खाली होने वाली सभी रिक्तियों को जोड़कर एक व्यापक भर्ती प्रस्ताव तैयार किया जाएगा, जिसके बाद प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू होगी।

700 जर्जर स्कूलों का कायाकल्प

राज्य के लगभग 90,000 स्कूलों में से करीब 700 विद्यालय पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। सरकार ने अगले दो वर्षों के भीतर इन स्थानों पर नए और आधुनिक भवनों का निर्माण करने का लक्ष्य रखा है। जिन लगभग 3,000 स्कूलों में मरम्मत या अतिरिक्त कक्षों की आवश्यकता है, उनके निर्माण के लिए क्लस्टर प्रणाली अपनाने पर विचार किया जा रहा है, ताकि निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी बेहतर बनी रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की चारदीवारी (बाउंड्रीवॉल) का जिम्मा पंचायतों को और पेयजल व्यवस्था की जिम्मेदारी पीएचई विभाग को सौंपी जा सकती है। वहीं, शहरी क्षेत्रों में नगरीय निकायों के माध्यम से चारदीवारी का निर्माण कराया जाएगा। इन सभी प्रस्तावों और कार्ययोजनाओं को लेकर विभाग स्तर पर अंतिम निर्णय जल्द ही लिए जाने की उम्मीद है, जिससे प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और अधोसंरचना को मजबूती मिल सके।

नर्मदापुरम में सांदीपनि स्कूल की बस पलटी

चार विद्यार्थी घायल, ड्राइवर और महिला कंडक्टर भी चोटिल

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर में शनिवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया। सीएम राइज संदीपनि स्कूल की बस अनियंत्रित होकर पलट गई। यह हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे ग्राम सूकरी और चुरका के बीच हुआ। इस दौरान बस में चार विद्यार्थी सवार थे। हादसे में चार विद्यार्थियों के साथ बस ड्राइवर और महिला परिचालक भी घायल हो गई। सभी को डायल-112 की मदद से सोहागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि हादसे में सभी मामूली चोटें आई हैं।

विद्यार्थियों को लेने जा रही थी बस

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीएम राइज संदीपनि स्कूल की बस क्रमांक एमपी 04 पीए 2430 शनिवार सुबह गांवों से विद्यार्थियों को लेने जंगल की ओर गई थी। बस में चार विद्यार्थी सवार थे। सूकरी और चुरका गांव के बीच मोड़ पर बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पलट गई। बस एक पलटी खाने के बाद तिरछी होकर रुक गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस की रफ्तार तेज थी। मोड चालक बस को नियंत्रित नहीं कर पाया और वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हालांकि, तेज रफ्तार की बात की आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी। गनीमत रही कि हादसे में बच्चों को गंभीर चोटें नहीं आई हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 का स्टाफ मौके पर पहुंचा। पुलिसकर्मियों ने बस में फंसे और घायल विद्यार्थियों समेत अन्य लोगों को बाहर निकाला और सभी को तत्काल सोहागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घायलों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

हादसे में घायल विद्यार्थियों की पहचान सौरभ ठाकुर (13), पिता संतोष ठाकुर, निवासी ग्राम बंदीछोड़, ऋषभ ठाकुर (14), पिता संतोष ठाकुर, निवासी ग्राम बंदीछोड़, मधु गुर्जर (14), पिता रामस्वरूप गुर्जर, निवासी चारगांव, और रागिनी पाल (15), पिता ध्रुव कुमार पाल, निवासी चारगांव के रूप में हुई है।

महाकाल लोक तक बनेगा अंडरग्राउंड कॉरिडोर

91 करोड़ रुपए की 650 मीटर टनल से मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 में करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू रखना प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती है। हाल ही में सावन सोमवार पर करीब साढ़े सात लाख श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे थे। इस दौरान इंदौर-उज्जैन हाईवे से हरिफाटक तक यातायात का दबाव बढ़ गया और कई स्थानों पर घंटों जाम की स्थिति बनी।

इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए हरिफाटक पार्किंग से महाकाल लोक तक भूमिगत कॉरिडोर बनाया जा रहा है। करीब 650 मीटर लंबे इस अंडरपास को 91.74 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति वाले प्रोजेक्ट में शामिल किया गया है। इसे 15 महीने में पूरा करने का लक्ष्य है। फिलहाल करीब 15 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

योजना के तहत श्रद्धालु हरिफाटक क्षेत्र में वाहन पार्क करने के बाद भूमिगत रास्ते से सीधे महाकाल लोक तक पहुंच सकेंगे। दर्शन के बाद वापसी के लिए भी इसी कॉरिडोर का उपयोग किया जा सकेगा। इससे श्रद्धालुओं को मुख्य सड़क के यातायात से गुजरने की जरूरत कम होगी और हरिफाटक ब्रिज पर वाहनों तथा पैदल श्रद्धालुओं का दबाव घटाने में मदद

मिलेगी।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के कारण उज्जैन में वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। सावन, महाशिवरात्रि, त्योहारी सीजन और सिंहस्थ के दौरान यह संख्या कई गुना बढ़ जाती है। इंदौर-उज्जैन रोड, आगर रोड और गऊघाट यानी पुराने उज्जैन-बड़नगर मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं का बड़ा हिस्सा हरिफाटक ब्रिज की ओर से महाकाल क्षेत्र पहुंचता है। इस कारण यह मार्ग भीड़ के समय बॉटलनेक बन जाता है।

दो बॉक्स में बनेगा भूमिगत कॉरिडोर

प्रस्तावित टनल सामान्य अंडरपास से अलग होगी। इसकी कुल लंबाई करीब 650 मीटर होगी, जिसमें लगभग 450 मीटर हिस्सा जमीन से करीब 10 मीटर नीचे बनाया जाएगा। कॉरिडोर में दो अलग-अलग बॉक्स होंगे और प्रत्येक की चौड़ाई करीब 9 मीटर रहेगी। एक बॉक्स से श्रद्धालु महाकाल लोक की ओर जाएंगे, जबकि दूसरे से वापसी होगी। दोनों दिशाओं का आवागमन अलग रहने से भीड़ प्रबंधन आसान होगा। जरूरत पड़ने पर बड़े वाहन भी इन बॉक्स से गुजर सकेंगे। डिजाइन में बैरिकेडिंग की जरूरत कम रखने का भी ध्यान रखा गया है।

भूमिगत निर्माण में बारिश के दौरान जलभराव रोकना महत्वपूर्ण है। इसके लिए दोनों बॉक्स में अंडरग्राउंड ड्रेनेज लाइन बनाई जाएगी। यह पानी को अलग संपवेल तक पहुंचाएगी। टनल के कुछ हिस्से ऊपर से खुले रखे जाएंगे, जिससे प्राकृतिक रोशनी और हवा मिलती रहे। आपात स्थिति से निपटने के लिए अलार्म और इमरजेंसी सिस्टम भी प्रस्तावित है। प्रत्येक 100 मीटर पर ऐसी व्यवस्था रखने की योजना है, ताकि जरूरत पड़ने पर पुलिस, एंबुलेंस या अन्य आपात सेवाओं को सूचना दी जा सके।

अप्रैल 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य

प्रोजेक्ट की कार्यावधि 15 महीने निर्धारित की गई है और अनुबंध के अनुसार इसे अप्रैल 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। हरिफाटक पार्किंग क्षेत्र से काम शुरू हो चुका है। शुरूआती चरण में जमीन के स्तर से करीब 8 से 10 मीटर नीचे स्लोप तैयार किया जा रहा है। अभी करीब 15 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। निर्माण के आगे बढ़ने के साथ चुनौती भी बढ़ेगी। प्रोजेक्ट क्षेत्र में एक थाना, स्कूल और कुछ अन्य भवन आ रहे हैं। इनके हटाने के साथ उपयोगिताओं को दूसरी जगह शिफ्ट करने और भू-अर्जन से जुड़े काम भी निर्माण की गति को प्रभावित कर सकते हैं।

टनल का महत्वपूर्ण हिस्सा रेलवे लाइन के नीचे से गुजरेगा। रेलवे ट्रैक के नीचे अंडरपास का निर्माण रेलवे स्वयं करेगा। इसके लिए राज्य शासन की ओर से रेलवे को 31 करोड़ रुपये दिए गए हैं। शासन ने 28 अक्टूबर 2025 को प्रोजेक्ट के लिए 91.74 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी थी। टनल निर्माण की अनुबंधित लागत 35.37 करोड़ रुपये है। बाकी राशि का इस्तेमाल भू-अर्जन, भवनों और यूटिलिटी शिफ्टिंग समेत अन्य कार्यों में किया जाएगा। रेलवे लाइन के नीचे निर्माण के दौरान रेल यातायात और सुरक्षा मानकों का पालन सबसे अहम रहेगा।

महाकाल क्षेत्र में पहले से तीन भूमिगत रास्ते, चौथी कड़ी बनेगी

महाकाल मंदिर परिसर और आसपास पहले से दो टनल संचालित हैं, जबकि दो अन्य का निर्माण किया जा रहा है। मंदिर प्रशासन के अनुसार प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग टनल का इस्तेमाल होता है। 13 से 15 कतारों के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाता है। एक दिन में 7 लाख तक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं, जबकि सामान्य दिनों में औसतन करीब 2 लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं।

कूनो नेशनल पार्क से लापता हुई मादा चीता निर्वा का 9 दिन बाद भी नहीं लगा सुराग, 5 टीमें कर रही तलाश

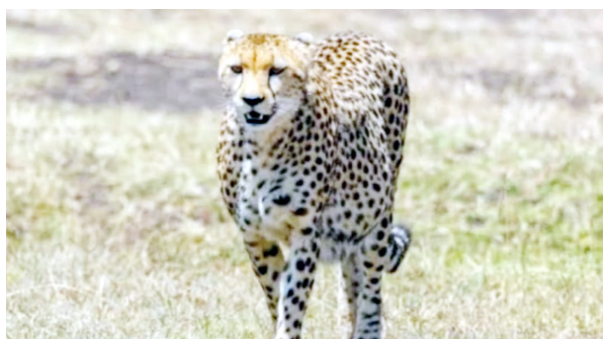

श्योपुर। सैटेलाइट कॉलर आईडी के सिग्नल मिलाना बंद होने के बाद पिछले 9 दिनों से वन विभाग की निगरानी से बाहर चल रही मादा चीता निर्वा का शनिवार दोपहर 01 बजे तक कोई सुराग नहीं लग सका है। मीडिया में निर्वा के मिलने की जो खबरें आई थीं, उन्हें कूनो सीसीएफ उत्तम शर्मा ने भ्रामक बताया है। कूनो के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि, बीते शुक्रवार को वीरा चीता को ट्रेंकुलाइज करके कूनो लाया गया है। जिसका उपचार किया जा रहा है और डॉक्टरों की टीम निगरानी भी रख रही हैं। यहां बता दे कि, मादा चीता निर्वा पिछले 20 अगस्त से अपने नर और मादा 2 शावकों को छोड़कर लापता हो गई है। चीता के गले में लगे सैटेलाइट कॉलर आईडी के सिग्नल नहीं मिलने से उसकी लोकेशन का पता नहीं लग पा रहा है। वन विभाग की पांच टीमें कूनों में लगातार निर्वा की तलाश कर रही है लेकिन, उसका सुराग नहीं लग सका है। इसे लेकर वन विभाग की टीमें परेशान है। लापता निर्वा चीता के बारे में तो फिलहाल कोई पुख्ता जानकारी वन विभाग को नहीं मिली है लेकिन, कूनो के जंगल में जिस ओर दूसरे चीता नहीं है वहां सर्चिंग दल को भेड़ और हिरण के ताजा किल मिले हैं। जिन्हें देखकर वन विभाग के अधिकारियों की उम्मीद जगी है कि, हो न हो निर्वा उसी इलाके में है। सर्चिंग टीमें इस दिशा में तेजी के साथ सर्चिंग कर रही हैं ताकि, निर्वा का पता लगाया जा सके।

कहीं घायल या बीमार तो नहीं हो गई है वीरा?

बीते शुक्रवार को मादा चीता वीरा को ट्रेंकुलाइज करके कूनो नेशनल पार्क वापस लाया गया है, वीरा पिछले कई दिनों कूनो से बाहर घूमती रही। उसे अचानक ट्रेंकुलाइज किए जाने की वजह वन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट नहीं की है लेकिन, कूनो के जानकारो के द्वारा आशंका जताई जा रही है कि, वीरा घायल या बीमार हो गई है। इसीलिए उसे अचानक ट्रेंकुलाइज करके वापस लाया गया है और बाडे में उसके स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है।

अभी निर्वा नहीं मिली है

अभी निर्वा नहीं मिली है, उसकी तलाश में पांच टीमें लगी हुई है, इस संबंध में जो भी खबरें आई है वह गलत है, सीसीएफ उत्तम शर्मा ने निर्वा के मिलने के संबंध में कोई ट्वीट नहीं किया, निर्वा जैसे ही मिलेगी वैसे ही आप लोगों को जानकारी दी जाएगी।

डॉ समीता राजोरा
पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ भोपाल

टक्कर के बाद धधके ट्रक और पिकअप, चालक की जिंदा जलकर मौत

थांदला के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पहुंच मार्ग पर भीषण हादसा

झाबुआ। दिल्ली-मुंबई आठ लेन एक्सप्रेस-वे के पहुंच मार्ग पर थांदला के समीप भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक और पिकअप वाहन की आमने-सामने जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पिकअप चालक को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और वह वाहन में फंस गया। हादसे में चालक की मौके पर ही जलकर मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, मियाटी निवासी तेरु खिमा भाबर पिकअप वाहन से जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक ट्रक से उनकी पिकअप की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के तुरंत बाद दोनों वाहनों में आग भड़क उठी और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया।

हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन के अंदर ही फंस गया। आग की तेज लपटों के कारण वह बाहर नहीं निकल सका और बुरी तरह झुलसने से उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें देखकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर पहुंचे, लेकिन आग की भयावह स्थिति के कारण चालक को बचाया नहीं जा सका।

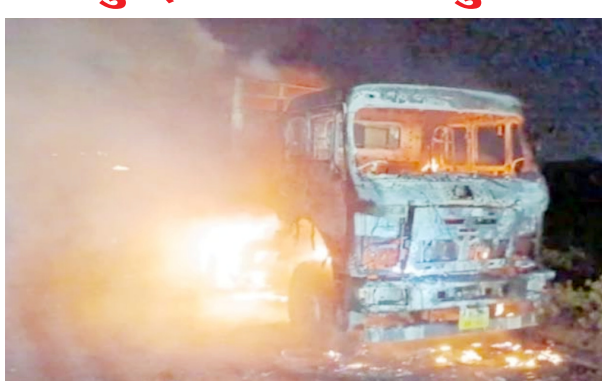

दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे तथा स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने यातायात व्यवस्था सुचारु कराई और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

संकरे पहुंच मार्ग पर बढ़ रहा हादसों का खतरा

स्थानीय लोगों के अनुसार, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से जुड़ने वाले पहुंच मार्ग पर लगातार सड़क हादसे सामने आ रहे हैं। पहुंच मार्ग अपेक्षाकृत संकरा होने के कारण भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। तेज रफ्तार और दोनों ओर से होने वाली वाहनों की आवाजाही के कारण आमने-सामने टक्कर का खतरा बढ़ जाता है।

स्थानीय लोगों ने सड़क की चौड़ाई बढ़ाने, यातायात व्यवस्था में सुधार और सुरक्षा उपाय मजबूत करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि पहुंच मार्ग पर समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में और गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

फरार ट्रक चालक की तलाश में पुलिस

पुलिस ने मृत पिकअप चालक के शव को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया है। फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच कर रही है और हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

सीहोर में 28 करोड़ के निर्माणाधीन ओवरब्रिज के खतरनाक घुमावदार डिजाइन पर उठे सवाल

सीहोर। शहर के व्यस्ततम पुराने इंदौर-भोपाल स्टेट हाईवे पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास रेलवे फाटक क्रमांक 104 पर निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज शुरू होने से पहले ही गंभीर विवादों और तकनीकी खामियों के घेरे में आ गया है। 28 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहे इस ओवरब्रिज का अत्यधिक घुमावदार डिजाइन भविष्य में बड़े हादसों का सबब बन सकता है। हाल ही में राजगढ़ जिले के ब्यावरा बायपास पर बने एक घुमावदार ब्रिज पर हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। वहां स्लीपर बस के तीखे मोड़ पर अनियंत्रित होकर सेफ्टी वाल से घिसटने के कारण चार यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई और 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बारिश भी नहीं रोक सकी बहनों का प्यार, सेंट्रल जेल में भाइयों को बांधी राखी

जबलपुर। रक्षाबंधन के अवसर पर जबलपुर की नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय जेल में भाई-बहन के रिश्ते की भावुक तस्वीर देखने को मिली।

भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे अपने बंदी भाइयों से मिलने जेल पहुंचे। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके बेहतर भविष्य की कामना की। रक्षाबंधन के दिन बारिश के बावजूद बहनों का जेल पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। लंबे समय से जेल में बंद अपने भाइयों से मिलने पहुंचीं बहनों के

लिए यह मुलाकात भावनाओं से भरी रही। राखी बांधते समय कई परिवारों के बीच भावुक माहौल देखने को मिला।

जेल प्रशासन ने की थी विशेष व्यवस्था

रक्षाबंधन को देखते हुए जेल प्रशासन ने बंदियों और उनके परिजनों की मुलाकात के लिए विशेष व्यवस्था की थी। 28 अगस्त को बहनों और पात्र परिजनों को बंदियों से मिलने की अनुमति दी गई थी। मुलाकात के लिए सुबह 6 से 11 बजे तक पंजीयन की व्यवस्था थी और पहचान-पत्र साथ लाना अनिवार्य किया गया था।

सुरक्षा के बीच हुई मुलाकात

जेल में सुरक्षा व्यवस्था के बीच बहनों को भाइयों से मिलने का अवसर दिया गया। पुरुष बंदियों से मिलने के लिए अलग व्यवस्था की गई थी, जबकि महिला बंदियों के लिए अलग स्थान निर्धारित किया गया था। जेल प्रशासन ने मुलाकात के दौरान कुछ सामान ले जाने की भी अनुमति तय की थी।

राखी के साथ जुड़ी रिश्तों की डोर

जेल की चारदीवारी के बीच रक्षाबंधन का यह आयोजन बंदियों के लिए भी खास रहा। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुखद भविष्य की कामना की। लंबे समय बाद त्योहार के मौके पर परिवार से मुलाकात ने भाई-बहन के रिश्ते की भावनात्मक गर्माहट को महसूस कराया।

दो साल और टीम के साथ रहना चाहते थे सूर्यकुमार

मुम्बई। टी20 विश्वकप के बाद भारतीय टीम से बाहर किये गये पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कह है कि टीम घोषणा से तीन दिन पहले चयनकताओं ने उनसे संपर्क किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि अब आगे बढ़ने का समय है। सूर्यकुमार के अनुसार जिस प्रकार से उनकी कप्तानी में टीम लगातार जीत दर्ज कर रही थी। उससे उन्हें उम्मीद थी कि वह आने वाले दो साल तक टीम के साथ ही रहेंगे। वह चाहते थे कि ओलंपिक और अगला विश्वकप टीम को जिताएं। हालांकि, उन्होंने चयनकताओं के फैसले का सम्मान किया, यह कहते हुए कि उनके लिए अपने विचारों की इज्जत करना जरूरी है। अगर उन्हें लगा कि आगे जाकर यह बेहतर फैसला है, तो उन्होंने वह फैसला लिया।

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा से एक बातचीत में सूर्यकुमार ने बताया कि जब उन्होंने अपना नाम टीम में केवल मुस्कुराकर रह गये क्योंकि जब भी मैं ऐसे हालात में रहा हूं जहां दबाव हो, जहां चीजें मेरे हिसाब से न हों, मैं हमेशा मुस्कुराया हूं। टीम से बाहर होने के बाद मैंने आराम किया है। इस दौरान मैंने विचार किया कि जब मेरी कप्तानी में टीम ने आपने दो साल में एक भी सीरीज नहीं हारी है। इसके साथ ही विश्वकप और एशिया कप जीता है। इसके बाद भी बदलावकिये जाने का क्या कारण रहा।

सूर्यकुमार ने साफ किया कि वह किसी भी वक्त टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, आप मुझे कभी भी कॉल कर सकते हैं। मैं कभी भी क्रिकेट खेल रहा हूं। मैं खेलना जारी रखूंगा। जब भी आपको लगे कि समय सही है। चीजें सही हैं। उन्होंने साथी खिलाड़ी श्रेयस अय्यर को एक अच्छा खिलाड़ी, अच्छा इंसान और अच्छा कप्तान बताया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उनकी निराशा कप्तानी को लेकर नहीं बल्कि टीम से बाहर किए जाने को लेकर थी।

सोनल दिनुशा के मुरीद हुए पुजारा, आने वाले समय में महान बल्लेबाज बनेंगे

मुंबई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने श्रीलंकाई टीम के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुशा की जमकर प्रशंसा की है। पुजारा ने कहा है कि जिस प्रकार से सोनल खेलते है उसको देखकर लगता है कि आने वाले समय में वह महान बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। साथ ही कहा कि दूसरे टेस्ट में उनकी बल्लेबाजी देखकर दिग्गज बल्लेबाजों कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने की याद आ गयी।

दिनुशा ने कोलंबो में खेले गए सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच की दोने ही पारियों में दबाव के बीच शतक लगाकर अपनी टीम को करारी हार से बचाया था। अंतिम दिन टीम के फालोऑन खेलते समय जिस प्रकार से उन्होंने पूरे दिन बल्लेबाजी की उससे उनकी प्रतिभा का और कौशल का अंदाजा होता है। इस सीरीज में दिनुशा ने चार पारियों में 140.00 की प्रभावशाली औसत से कुल 420 रन बनाए, जिसमें तीन शानदार शतक और एक अर्धशतक शामिल था। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए, उन्होंने 722 गेंदों का सामना किया, जो किसी भी बल्लेबाज द्वारा एक सीरीज में खेली गई सबसे ज्यादा गेंदें हैं, जो उनकी धैर्यवान और दृढ़ बल्लेबाजी ताकत को दिखाती है।

पुजारा ने इस बल्लेबाज को लेकर कहा, पूरी सीरीज में उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की है, वह शानदार रही है। इससे मुझे कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने जैसे बल्लेबाजों के दौर की याद आ गयीहैं। जब मैं बड़ा हो रहा था, तो मैं उन श्रीलंकाई खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानता था। मुझे पूरा यकीन है कि अगले 5 साल में सोनल श्रीलंकाई क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में से एक बन सकते हैं। उन्होंने वह क्षमता दिखाई है।

दिनुशा के अब तक के करियर पर नजर डालें तो, उन्होंने पांच टेस्ट मैचों की नौ पारियों में 86.57 की प्रभावशाली औसत से 606 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर नाबाद 133 रन रहा है। वहीं, फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में भी उनका रिकॉर्ड शानदार है; 70 मैचों में उन्होंने 48.44 की औसत से 4,118 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वोच्च स्कोर 145 है।

पांच सितंबर को डायमंड लीग फाइनल में नीरज पर रहेंगी नजरें

ब्रसेल्स। भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब अगले माह पांच सितंबर को यहां होने वाले डायमंड लीग फाइनल में जीत दर्ज करने उतरेंगे। ऐसे में इस मुकाबले पर उनके प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। नीरज ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। उन्होंने इस सीरीज की केवल दो प्रतियोगिताओं में ही भाग लेने के बाद भी 12 अंक हासिल कर अंक तालिका में छठा स्थान हासिल करते हुए शीर्ष छह में जगह बना ली है। अब फाइनल में उन्हें श्रीलंका के शीर्ष खिलाड़ी रुमेश पथिरागे से कड़ी टक्कर मिलना तय है।पथिरागे क्वालीफायर मुकाबले में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर रहे थे। नीरज की बात करें तो चोट से उबकर क्वालीफाई करना उनके लिए वापसी की तरह है। पिछले साल सितंबर से कमर के निचले हिस्से में लगी चोट के कारण वह लंबे समय तक खेल से दूर थे। इसके बाद दोहा डायमंड लीग में उनकी वापसी हुई, जहां उन्होंने दूसरा स्थान हासिल किया। हाल ही में हुए ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में वह पूरी तरह फिट नहीं थे, फिर भी 85 .83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ उन्होंने रजत पदक जीता था। इसके बाद लुसाने डायमंड लीग में उन्होंने अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 88 .05 मीटर का अच्छा थ्रो किया।

भारत के योहान बेंजामिन पुर्तगाली क्लब गुआर्डा एफसी से खेलते दिखेंगे

मुंबई। भारतीय फुटबॉलर योहान बेंजामिन के साथ पुर्तगाली क्लब गुआर्डा एफसी ने दो साल का करार किया है। इस करार से मिडफील्डर योहान को यूरोपीय फुटबॉल में आगे बढ़ने का एक बड़ा अवसर मिलेगा।

21 साल योहान अपने करियर में फुटबॉल एकेडमी ऑफ बैंगलोर और मिनर्वा फुटबॉल एकेडमी से जुड़े रहे हैं। इसके बाद वह शिलांग लाजोंग से खेलने लगे। यहां अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान ही योहान को क्लब की सीनियर और रिजर्व टीमों के साथ खेलने का अवसर मिला। उन्होंने 2024 शिलांग प्रीमियर लीग में 9 गोल कर अपनी टीम को खिताब जिताया था।

साल 2023-24 एआईएफएफ यूथ लीग से वह सबसे नजरों में आये। इमसें उन्होंने 13 मैचों में 9 गोल किये जिससे उन्हें भारतीय अंडर-19 टीम में जगह मिली। इसके बाद, उन्होंने 2025 सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में भारत की ओर से भाग लिया। वह अगस्त 2025 में स्लोवेनिया के एनएके ब्रावो क्लब की अंडर 19 टीम में शामिल हो गए। स्लोवेनिया में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें एनके ब्रावो अंडर 19 के यूईएफए यूथ लीग कैंपेन में खेलने का अवसर मिला। वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में खेलने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बने, जहां उन्हें एफसी पोर्टो जैसी मजबूत यूरोपीय टीम के खिलाफ खेलने का अवसर मिला।

गुआर्डा फुटबॉल क्लब ने भी इस करार पर खुशी जताते हुए कहा कि जिस प्रकार के खिलाड़ी की हमे तलाश थी। योहान बिल्कुल वैसे ही खिलाड़ी हैं। वह एक महत्वाकांक्षी, समर्पित और सफलता के लिए उत्सुक खिलाड़ी हैं। हमें उनके साथ दो साल का करार करते हुए बेहद खुशी हो रही है, हालांकि यह अंतरराष्ट्रीय मंजूरी और वीजा की औपचारिकताओं पर निर्भर करेगा। हम गुआर्डा में योहान का स्वागत करने के लिए बहुत उत्साहित हैं और उम्मीद करते हैं कि वे क्लब के लिए अपनी एक अलग पहचान बनाएंगे। हमें विश्वास है कि उनका यह कदम कई युवा भारतीयों को फुटबॉल में अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगा।

टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप को बचाने सभी बोर्ड मिलकर प्रयास करें : चमिंडा वास

कोलंबो। पूर्व श्रीलंकाई तेज गेंदबाज चमिंडा वास ने क्रिकेट खेलने वाले सभी सदस्य देशों से टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप को बचाने की अपील की है। वास के अनुसर फ्रैचाइजी क्रिकेट के इस दौर में टेस्ट और एकदिवसीय का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।

वास ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और सभी राष्ट्रीय बोर्डों से टेस्ट तथा एक दिवसीय प्रारूपों के भविष्य को बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा है। इससे पहले आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने भी कहा था कि प्रतिस्पर्धा की कमी वाली द्विपक्षीय श्रृंखलाओं का दौर अब समाप्त होना तय है। उसी के बाद से ही एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं।

वास ने माना है कि अब टी20 ही खेल का भविष्य है और अधिकतर देश इसे प्राथमिकता भ्री देना चाहेंगे पर इसके बाद भी सभी बोर्डों को यह समझना चाहिए कि टेस्ट और एकदिवसीय ही क्रिकेट के आधार हैं और इसी में किसी खिलाड़ी की असली परीक्षा होती है। उन्होंने जोर दिया कि इन दोनों प्रारूपों को जीवित रखने के लिए ठोस कदम उठाना जरुरी है। इस अनुभवी गेंदबाज ने सभी क्रिकेट बोर्डों से इन पारंपरिक प्रारूपों को बचाये रखने करने के लिए मिलकर प्रयास करने को कहा है। वास के अनुसार, हमें 50 ओवर की क्रिकेट को जीवित रखने के लिए किसी न किसी तरह की व्यवस्था करनी होगी। मुझे भरोसा है कि इससे कई युवा क्रिकेटर टेस्ट या 50 ओवर के प्रारूप में खेलने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने विशेष रूप से टेस्ट क्रिकेट के बारे में चिंता व्यक्त की और कहा कि यह समाप्त होता जा रहा है और इसे बचाने व युवाओं को इससे परिचित कराने के लिए योजनाएं बनानी चाहिए, क्योंकि इसी प्रारूप में खिलाड़ियों के कौशल की असली परीक्षा होती है। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड से अधिक टेस्ट मैच आयोजित करने की अपील करने के साथ ही घरेलू क्रिकेट ढांचे में भी बड़े बदलावों का सुझाव दिया। साथ ही कहा कि क्लबों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण सुझाव यह था कि तीन दिवसीय क्रिकेट के बजाय चार दिवसीय क्रिकेट खेला जाना चाहिए, जिससे खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट जैसा अनुभव मिलेगा।

कारोबार

तेल आयात खर्च में 1.84 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। अगर आपको लगता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान युद्ध की आहट केवल अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का विषय है, तो अपनी सोच को बदल लीजिए।

खाड़ी देशों में दागी गई हर मिसाइल और समुद्र में फंसे हर तेल टैंकर का सीधा बिल आपकी जेब, रसोई के बजट और मासिक बचत से कटता है।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के ताजा विश्लेषण के अनुसार, मार्च से अगस्त 2026 के छह महीनों में होर्मुज संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में आए उछाल ने भारत

के ईंधन (कच्चा तेल, गैस व एलएनजी) आयात बिल में 22 अरब डॉलर यानी करीब 1.84 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त लागत जोड़ दी है।

शुद्ध रूप से यह बोझ 14.4 अरब डॉलर (करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये बैठता है, जो देश की कुल जीडीपी के 0.38 फीसदी या 1.4 दिन की राष्ट्रीय आय के बराबर है। यूरोपीय संघ (78 अरब डॉलर) और चीन (35 अरब डॉलर) के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे ज्यादा प्रभावित आयातक देश है। अकेले कच्चे तेल पर ही भारत को 20.5 अरब डॉलर अतिरिक्त चुकाने पड़े, क्योंकि इस दौरान ब्रेंट क्रूड का औसत भाव 93 डॉलर प्रति बैरल रहा, जो 1990 के खाड़ी युद्ध के बाद से तेल की कीमतों में आया सबसे लंबा और मजबूत झटका है।

क्या फिर से बढ़ेंगे पेट्रोल और डीजल के दाम

यदि संकट लंबा खिंचता है, तो कंपनियों को घाटे से उबारने के लिए खुदरा बाजार में 3 से 5 रुपये प्रति लीटर की चरणबद्ध मूल्य वृद्धि सरकार की मजबूरी बन सकती है। यदि क्रूड 95 से डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना रहता है, तो कीमतों में फेरबदल करने का दबाव तेजी से बढ़ेगा।

एक्सप्लेनर: 22,000 करोड़ का मामला 6.5 करोड़ में निपटा

सुभाष चंद्रा मामले में कैसे चली देनदारी पर कैंची?

नई दिल्ली। नुकसान सहने का उदाहरण हाल में बैंक ऑफ बड़ौदा मामले में भी देखने को मिला था। यूएई के चर्चित एनएमसी हेल्थकेबर घोटाले में 4 अरब डॉलर का कर्ज छुपाने के आरोप लगे थे। आइए जानते हैं कि कॉरपोरेट विवादों को बट्टे खाते में डालने पर क्यों उठ रहे हैं सवाल? आखिर एचडीएफसी बैंक क्यों कर रहा है विरोध?

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की दिल्ली बेंच द्वारा एस्सेल समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा के पर्सनल इनसॉल्वेंसी मामले में दिए गए ताजा आदेश ने भारतीय बैंकिंग और कॉरपोरेट जगत के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके बाद देश की नियामकीय प्रक्रियाओं को लेकर नई बहस छिड़ गई है। क्या भारत में नुकसान सहकर ऐसे मामले दबाने की परंपरा बनती जा रही है? कॉरपोरेट देनदारियों और भारी नुकसान पर समझौते का यह कोई पहला मामला नहीं है। भारतीय बैंकिंग तंत्र में विवादों और चूक को भारी रकम चुकाकर निपटाने की एक लंबी परिपाटी रही हैं।

पूरा मामला कैसे शुरू हुआ?

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने सुभाष चंद्रा के खिलाफ कर्जदाताओं के 22,000 करोड़ रुपये से अधिक के इनसॉल्वेंसी दावे को मात्र 6.5 करोड़ रुपये में सेंटल करने का आदेश दिया। यह इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के इतिहास का सबसे बड़ा हेयरकट (करीब 99.97%) है। रीपेमेंट प्लान के पक्ष में 80 फीसदी से अधिक कर्जदाताओं ने बोट देकर इसे स्वीकार किया।

6 .5 करोड़ रुपये का टोकन क्यों?

दिवालिया कानून के तहत पर्सनल गारंटी को कॉरपोरेट डिफॉल्ट से अलग रखकर डील करने का प्रावधान है। सुभाष चंद्रा ने इस कानूनी व्यवस्था का लाभ उठाया। अपनी व्यक्तिगत संपत्ति से मात्र 6.5 करोड़ रुपये का टोकन भुगतान देकर वे हजारों करोड़ की पर्सनल गारंटी की देनदारी से कानूनी तौर पर बरी हो गए।

नुकसान किसका हुआ?

डूबी हुई रकम आम जनता और जमाकताओं की बचत थी, जो बैंकों के जरिये कर्ज के रूप में दी गई थी। बैंकों को इस भारी नुकसान की भरपाई अपनी पूंजी से प्रोविजनिंग के माध्यम से करनी पड़ेगी।

बैंकिंग और दिवालिया कानून के लिए क्या खतरे?

यह फैसला अन्य बड़े डिफॉल्टर प्रमोटरों के लिए एक रास्ता खोलता है, जहां कंपनी का प्रमोटर या सीईओ भारी कर्ज के बदले पर्सनल गारंटी देकर बाद में नाममात्र की रकम चुकाकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकता है। यह फैसला दिखाता है कि जिस पर्सनल गारंटी को बैंक सबसे बड़ा सुरक्षा कवच मानते थे, वह व्यावहारिक रूप से बेअसर साबित हो रही है। यदि सरकार कानून में संशोधन नहीं करती या उच्च अदालतें इस पर दखल नहीं देती हैं, तो यह क्रेडिट अनुशासन और बैंकिंग व्यवस्था के लिए बड़ा झटका होगा।

एचडीएफसी और एलआईसी क्यों कर रहे विरोध?

एचडीएफसी बैंक, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, केनरा बैंक, एक्सिस बैंक, यूनियन बैंक और आरबीएल बैंक इसके विरोध में हैं। तर्क है कि अगर हजारों करोड़ के बकाये पर पर्सनल गारंटर से महज चंद करोड़ ही वसूले जाएंगे, तो भविष्य में पर्सनल गारंटी लेने का कोई व्यावहारिक या कानूनी मतलब नहीं रह जाएगा।

बजट 2027-28 का बिगुल बजा! एक्शन में सरकार, 12 अक्टूबर से शुरू होगा प्री-बजट बैठकों का दौर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2027-28 के केंद्रीय बजट की तैयारियां औपचारिक रूप से शुरू कर दी हैं। वित्त मंत्रालय ने बजट प्रक्रिया के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और समयसीमा तय करते हुए बजट परिपत्र (बजट सर्कुलर) जारी कर दिया है। इसके साथ ही विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को आगामी वित्तीय वर्ष के लिए अपने व्यय अनुमान और योजनागत आवश्यकताओं का विस्तृत ब्यौरा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि पूर्व-बजट परामर्श बैठकें 12 अक्टूबर 2026 से शुरू होंगी। इसके लिए मंत्रालयों और विभागों को आवश्यक आंकड़े और प्रस्ताव 6 अक्टूबर 2026 तक जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। बजट परिपत्र के अनुसार, मंत्रालयों और विभागों को वित्त वर्ष 2026-27 के संशोधित अनुमान और वित्त वर्ष 2027-28 के बजट अनुमान तैयार करने होंगे। इसके लिए सभी विभागों से विस्तृत व्यय प्रस्ताव और वित्तीय जरूरतों का आकलन मांगा गया है, ताकि आगामी बजट को लेकर होने वाली पूर्व-बजट चर्चाओं में इनका उपयोग किया जा सके। इन बैठकों में विभिन्न मंत्रालयों की वित्तीय जरूरतों, चल रही परियोजनाओं और भविष्य की प्राथमिकताओं पर विचार किया जाएगा, जिसके आधार पर आगामी बजट का ढांचा तैयार किया जाएगा। सरकार का आगामी बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' विजन के अनुरूप तैयार होने की संभावना है। बजट परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि मंत्रालयों द्वारा भेजे जाने वाले व्यय प्रस्ताव सरकार की स्वीकृत प्राथमिकताओं और वास्तविक वित्तीय आवश्यकताओं के अनुरूप होने चाहिए। सरकार का लक्ष्य ऐसे व्यय प्रस्तावों को प्राथमिकता देना है जो देश के दीर्घकालिक आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार, रोजगार सृजन, डिजिटल परिवर्तन और सामाजिक विकास के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हों।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ने मंत्रालयों और विभागों को निर्देश दिया है कि वे बजट अनुमान तैयार करते समय यथासंभव सटीक और यथार्थवादी वित्तीय आकलन प्रस्तुत करें। मंत्रालय ने यह भी कहा है कि वित्तीय वर्ष के दौरान अतिरिक्त संसाधनों की मांग को न्यूनतम रखने का प्रयास किया जाना चाहिए। इससे सार्वजनिक वित्त प्रबंधन को अधिक प्रभावी और अनुशासित बनाए रखने में मदद मिलेगी। बजट परिपत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि केवल उन्हीं योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए बजटीय प्रावधान प्रस्तावित किए जाएं, जिन्हें सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी प्राप्त हो। इसके अलावा, जारी योजनाओं के लिए स्वीकृत व्यय योजनाओं का विवरण भी उपलब्ध कराना होगा। सरकार चाहती है कि बजटीय संसाधनों का उपयोग अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परिणामोन्मुख तरीके से किया जाए।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

करियर चुनने से पहले
क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

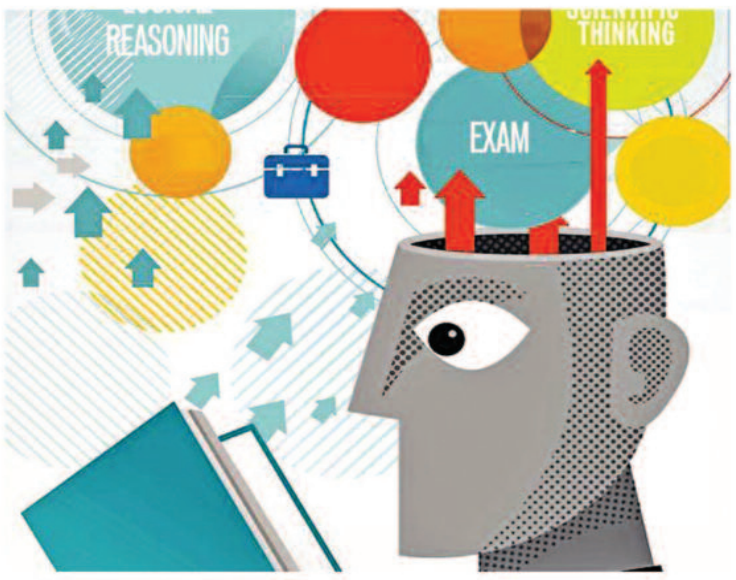

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

MBA ?

एक क्लिक पर एमबीए की जानकारी

एमबीए करना युवाओं के लिए सपनों के पूरा होने जैसा है, पर इसकी नैया पार लगाना आसान काम नहीं है। www.mbajunction.com एक ऐसी वेबसाइट है, जो आपके सपनों को पंख लगा सकती है। इस साइट से आप एमबीए (मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिन्सट्रेशन) की तमाम जानकारी हासिल कर सकते हैं। इस वेबसाइट पर फ्रेशर और एमबीए कर चुके, दोनों के ही मतलब की जानकारी उपलब्ध है। जहां इस साइट पर फ्रेशर यह जान सकते हैं कि वे किस-किस फील्ड में जा सकते हैं, वहीं किस कॉलेज में एडमिशन लें, देश और विदेश के कौन से कॉलेज में एमबीए कर सकते हैं, यह भी जान सकते हैं।

एडमिशन के लिए एग्जाम कब होंगे। एग्जाम के लिए सेंटर कहां-कहां हैं, जैसी छोटी-छोटी परेशानी तो यह साइट चुटकियों में हल कर देती है। लेकिन यह सब जानकारी लेने से पहले आप इस साइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा लें। इससे नौकरी तलाश करने में भी आपको सुविधा होगी। एमबीए जंक्शन वेबसाइट खोलते ही आपको लगेगा कि एमबीए में अपने करियर को लेकर आप बेकार ही परेशान हो रहे थे, क्योंकि एक ही जगह पर आपको सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी। वेबसाइट खोलने पर आपको कई ऑप्शन नजर आएंगे। इसमें सबसे पहले एमबीए ओवरव्यू ऑप्शन है। किस बी स्कूल में आपको एडमिशन लेना चाहिए। एडमिशन का क्या तरीका है। एग्जाम कब होंगे। सेलेक्शन का क्या तरीका है। एडमिशन के लिए एग्जाम की डेट क्या है। देश के कई बड़े बी-स्कूलों के प्रोफाइल भी देख सकते हैं। एमबीए कर नौकरी के लिए कहां-कहां संभावनाएं हैं आदि। विदेश में कौन से अच्छे बी-स्कूल हैं। वहां आप कैसे जाएंगे। वहां पर एडमिशन के लिए आप क्या तैयारी करें। साथ ही कोचिंग इंस्टीट्यूट के बारे में भी जानकारी उपलब्ध है। इसके अलावा ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम के बारे में भी जान सकते हैं। डिस्टेंस लर्निंग के बारे में भी सारी जानकारी इस वेबसाइट पर आपको मिल जाएगी। प्रतियोगिता के इस जमाने में हर पल अपने आप को अपनी ग्रूमिंग करना काफी जरूरी है। एमबीए जंक्शन में आप कैट की तैयारी कैसे करें, इसके बारे में तो जानेंगे ही, साथ ही इन एग्जाम में पेपर में मार्क्स देने की पद्धति क्या है, इसकी भी जानकारी उपलब्ध है। पिछले एग्जाम के पैटर्न भी यहां अवेलेबल हैं। उन्हें देख कर आप बेहतर तैयारी कर सकते हैं। बी स्कूलों में होने वाले फंक्शन और एक्टिविटीज के बारे में भी आप इस साइट से जान सकते हैं। साइट आपको विभिन्न बी स्कूलों व प्रतियोगी परीक्षाओं के रिजल्ट भी उपलब्ध करवाती है। मॉक टैस्ट के बारे में जान सकते हैं। कहां-कहां नौकरी के मौके हैं वह भी पता कर सकते हैं। विदेश में, खासतौर पर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, न्यूजीलैंड में कैसे एडमिशन ले सकते हैं, इसकी पूरी जानकारी ले सकते हैं। आप अपनी वोकेबुलेरी कैसे बढ़ाएं, इंटरव्यू की तैयारी कैसे करें जैसी इंफॉर्मेशन भी इस वेबसाइट पर उपलब्ध है। ग्रुप डिस्कशन के लिए खुद को कैसे तैयार करें, यह भी जान सकते हैं। नौकरी हासिल करने के लिए इंग्लिश की जानकारी होना भी बेहद जरूरी है। इस साइट से आप एग्जाम में इंग्लिश की तैयारी कैसे करें और बाद में आपकी बोलचाल की अंग्रेजी कैसी हो, इसकी जानकारी भी आप इस वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। कहने का मतलब यह कि यदि आप एमबीए की तैयारी में जुटे हुए हैं तो यह वेबसाइट आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी 85 सेक्टर 8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच 41 ए, अबुल फजल एनक्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली 110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।